शनिवार
23 अप्रैल 2022

पृष्ठ 4

कब्ज से राहत दिला सकते हैं घरेलू नुस्खे

पृष्ठ 5

अनिल कपूर और हर्षवर्धन कपूर की थार 6 मई को नेटफ्लिक्स पर आएगी

● देहरादून
● वर्ष 30
● अंक 84
● पृष्ठ 8
● मूल्य ₹ 1.00

दून वैली मेल

सांध्य दैनिक
आर.एन.आई.- 59626/94
डीएवीपी से मान्यता प्राप्त
email: doonvalley_news@yahoo.com Website: dunvalleymail.com

आज का विचार

बिना कारण कलह कर बैठना मूर्ख का लक्षण हैं। इसलिए बुद्धिमत्ता इसी में है कि अपनी हानि सह ले लेकिन विवाद न करें।

– हितोपदेश

यात्रा तैयारियों को लेकर अधिकारियों पर बरसे महाराज

क्या ऐसे ही होगी सुरक्षित यात्रा ?

विशेष संवाददाता

देहरादून। 3 मई से शुरू होने जा रही चारधाम यात्रा को लेकर भले ही सरकार अति उत्साहित हो लेकिन इस यात्रा की तैयारियों को लेकर आज पर्यटन मंत्री सतपाल महाराज समीक्षा बैठक के दौरान अधिकारियों पर आगबबूला दिखे।

पर्यटन मंत्री ने अधिकारियों को इस यात्रा की तैयारियों को लेकर जमकर लताड़ा। उन्होंने खुद ही कई सवाल उठाते हुए पूछा कि क्या यात्रा मार्गों पर टॉयलेट की व्यवस्था की गई है? उन्होंने कहा कि वह खुद इन यात्रा मार्गों का निरीक्षण कर चुके हैं कहीं भी शौचालय की समुचित व्यवस्था नहीं की गई है। उन्होंने यात्रा मार्गों पर लगने वाले जाम से निपटने की तैयारियों पर भी सवाल उठाते हुए कहा कि वह खुद दो घंटे तक जाम में फंसे रहे। जबकि अभी तो चारधाम यात्रा शुरू भी नहीं हुई जब यात्रा शुरू होगी तब क्या होगा। उन्होंने कहा कि अभी तक वाहनों के पार्किंग और पथ प्रकाश तक

की व्यवस्थाएं दुरुस्त नहीं हो सकी हैं ऐसे में चारधाम यात्रा के दौरान यात्रियों को परेशानियां होंगी ही।

उन्होंने चारधाम यात्रा मार्गों पर बने भूस्खलन जोन में सुरक्षा प्रबंधों पर सवाल उठाते हुए अधिकारियों को जमकर लताड़ लगाई। इसके साथ ही उन्होंने यात्रा मार्गों पर पेयजल व्यवस्था भी ठीक न होने की बात कही। पर्यटन मंत्री ने सीधे-सीधे जीएमवीएन के एमडी से पूछा कि हेली सेवा के लिए होने वाली ब्लैक मेलिंग को रोकने के लिए उन्होंने क्या किया है। इस पर एमडी द्वारा ऑनलाइन बुकिंग की बात कही गई तो मंत्री ने कहा कि यह तो मैं भी जानता हूं लेकिन टिकटों की ब्लैक मेलिंग होती है यह भी सच है। उन्होंने कहा कि इसे प्रभावी ढंग से रोका जाए। उन्होंने हेली सेवा में लगे कर्मचारियों के वेरिफिकेशन न करवाए जाने पर भी पूछा कि आखिर उनका वेरिफिकेशन कब होगा।

◀◀ शेष पृष्ठ 8 पर

चार धाम यात्रा के लिए रिकॉर्ड रजिस्ट्रेशन

देहरादून। कोरोना के कारण दो साल तक बाधित रही चारधाम यात्रा को लेकर सरकार ही नहीं श्रद्धालुओं में भी भारी उत्साह दिख रहा है। 3 मई से 31 मई तक तो अब तक एक लाख से अधिक श्रद्धालुओं द्वारा रजिस्ट्रेशन कराया जा चुका है। सभी चारों धामों में अब तक ऑनलाइन इतने रजिस्ट्रेशन इस बात का संकेत है कि इस साल चारधाम यात्रा के सारे रिकॉर्ड टूट जाएंगे। लेकिन यात्रा की आधी अधूरी तैयारियां यात्रियों के लिए मुसीबत का सबब भी बन सकती है।

राज्य सरकार लोगों की आजीविका बढ़ाने के लिए स्वरोजगार पर विशेष ध्यान दे रही है: सीएम धामी

कार्यालय संवाददाता

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने शनिवार को शुक्लापुर, देहरादून में हैस्को के संस्थापक पद्मभूषण डॉ. अनिल प्रकाश जोशी द्वारा हैस्को के माध्यम से की जा रही विभिन्न गतिविधियों का अवलोकन किया।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने कहा कि पर्यावरणविद् एवं समाजसेवी डॉ. अनिल प्रकाश जोशी ने जल संचय, प्रकृति के संवर्द्धन के लिए सराहनीय कार्य किये हैं। ग्रामीण क्षेत्रों में लोगों की आर्थिक गतिविधियों को बढ़ाने की दिशा में उनके द्वारा अच्छे प्रयास किये गये हैं। ग्रामीण क्षेत्रों में लोगों की आजीविका बढ़ाने के लिए उनके द्वारा

❏सीएम ने हैस्को के माध्यम से की जा रही विभिन्न गतिविधियों का अवलोकन किया

किये गये प्रयोग काफी सहायक सिद्ध होंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार ग्रामीण क्षेत्रों में लोगों की आजीविका बढ़ाने के लिए स्वरोजगार

◀◀ शेष पृष्ठ 8 पर

लूट व एक ही परिवार के पांच लोगों की हत्या से दहला प्रयागराज

लखनऊ (सं)। यूपी में बदमाशों के हौसलें लगातार बढ़ते दिखायी दे रहे है। देर रात भी प्रयागराज में बदमाशों ने लूट के बाद एक ही परिवार के पांच लोगों की गला रेतकर हत्या कर दी। जिसके बाद हत्यारों ने शवों को जलाने के लिए घर में आग भी लगा दी है। जानकारी के अनुसार प्रयागराज स्थित थरवई थाना क्षेत्र के खेवराजपुर गांव में बीती रात हत्यारों ने एक ही परिवार के 5 लोगों की धारदार हथियार से गला रेत कर हत्या कर दी गयी। वहीं उन्होने एक 5 साल की बच्ची पर भी वार किया है। जिसे अस्पताल में भर्ती कराया गया है। मामले की सूचना मिलते ही पुलिस के आलाधिकारी मौके पर पहुंचे और मामले में जांच शुरू कर दी गयी। बताया जा रहा है कि जिस परिवार की हत्या की गई है उसका मुखिया खेती और पशुओं की खरीद बिक्री करके परिवार का भरण पोषण करता था। देर रात सभी घर में सो रहे थे। जबकि उनका बेटा प्रयागराज शहर में था। इसी बीच रात को बदमाशों ने घर में घुसकर पांच लोगों की धारदार हथियार से हत्या कर दी और सामान लूट कर फरार हो गए। हत्यारों के कहर से एक पांच साल की बच्ची बच गई है। बहरहाल पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। मृतकों के नाम राजकुमार यादव पुत्र राम अवतार, कुसुम यादव पत्नी राजकुमार, मनीषा यादव पुत्री राजकुमार, सविता यादव पत्नी सुनील व मीनाक्षी पुत्री सुनील बताये जा रहे है।

❏हत्यारों ने शवों को जलाने के लिए घर में लगाई आग

चिंताजनक: पिछले 24 घंटे में आए कोरोना के 2527 नए मामले

नई दिल्ली । देश में कोरोना महामारी एक बार फिर से पैर पसारने लगी है जो कि चिंताजनक है। पिछले २४ घंटे के मुकाबले आज ७६ केस ज्यादा दर्ज किए गए हैं। बता दें कि, देश में कुछ दिनों से दो हजार से ज्यादा मामले सामने आ रहे हैं कल भी २,४५१ मामले सामने आए थे।

देश में अब उपचाराधीन मामलों की संख्या घटकर १५ हजार ७६ रह गई है। देश में पिछले २४ घंटे में २ हजार ५२७ केस दर्ज हुए हैं जिसके बाद संक्रमण के कुल मरीजों की सख्या ४,३०,५४,६५२ हो गई है।

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय द्वारा शनिवार सुबह जारी आंकड़ों के अनुसार, देश में एक दिन में कोरोना वायरस संक्रमण के २,५२७ नए मामले सामने आए हैं। वहीं, ३३ और मरीजों की मौत होने से मृतकों की संख्या बढ़कर

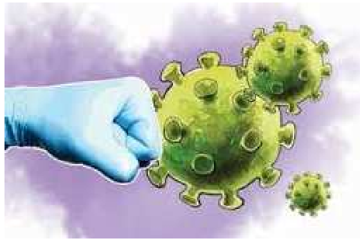

५,२२,१४६ हो गयी है।

पिछले २४ घंटे में १,६५६ लोग महामारी से ठीक हुई है जिसके बाद अब तक ठीक होने वालों की कुल संख्या ४,२५,१७,७२४ हो गई है जबकि मृत्यु दर १.२१ प्रतिशत दर्ज की गयी है। आंकड़ों के अनुसार, संक्रमण की दैनिक दर ०.५६ प्रतिशत और साप्ताहिक दर ०.५० प्रतिशत है।

आंकड़ों के मुताबिक, देशव्यापी कोविड–१९ रोधी टीकाकरण अभियान के तहत अभी तक १८७.४६ करोड़ खुराकें दी जा चुकी है। स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार, देश में जिन ३३ और मरीजों ने जान गंवाई है उनमें से ३१ की मौत केरल में और दो की दिल्ली में हुई। महामारी से देश में अभी तक ५,२२,१४६ लोगों की मौत हो चुकी है। इनमें से १,४७,८३१ की महाराष्ट्र में, ६८,७८१ की केरल, ४०,०५७ की कर्नाटक, ३८,०२५ की तमिलनाडु, २६,१६४ की दिल्ली, २३,५०२ की उत्तर प्रदेश और २१,२०० लोगों की मौत पश्चिम बंगाल में हुई।

स्वास्थ्य मंत्रालय ने बताया कि अब तक जिन लोगों की कोरोना वायरस के संक्रमण से मौत हुई है, उनमें से ७० प्रतिशत से अधिक मरीजों को अन्य बीमारियां भी थी। मंत्रालय ने अपनी वेबसाइट पर बताया कि, उसके आंकड़ों का भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर) के आंकड़ों के साथ मिलान किया जा रहा है।

दून वैली मेल

संपादकीय

बिजली संकट से जूझता ऊर्जा प्रदेश

ऊर्जा प्रदेश उत्तराखंड इन दिनों गंभीर बिजली संकट से जूझ रहा है। सूबे का घरेलू बिजली उत्पादन घटने और गर्मी के सीजन में खपत बढ़ने के कारण पैदा हुए इस बिजली संकट के कारण जहां आम आदमी परेशान है वहीं राज्य के उद्योग-धंधों पर भी इसका गंभीर प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है। राज्य को इस समय लगभग 45 मिलियन यूनिट बिजली की जरूरत है लेकिन 15 से 20 करोड़ रूपये की प्रतिदिन बिजली खरीद के बाद भी वह अपनी इस जरूरत को पूरा नहीं कर पा रहा है। उसके पास अभी तमाम संसाधनों में से सिर्फ 39 मिलियन यूनिट बिजली उपलब्ध है जिसके कारण उसे भारी बिजली कटौती करनी पड़ रही है। राज्य को विद्युत-गैस प्लांट से मिलने वाली 7.5 मिलियन यूनिट बिजली का उत्पादन ठप होने से यह समस्या और भी गंभीर हो गई है यहां तक राज्य बिजली की खरीद पर 400 करोड़ से अधिक खर्च कर चुका है। चिंतनीय बात यह है कि अभी तो गर्मी की शुरुआत है मई और जून में क्या होगा? सरकार ने अब इस संकट के समाधान के लिए केंद्र सरकार से मदद की गुहार लगाई है। अभी राज्य को केंद्रीय पूल से 17 मिलियन यूनिट बिजली मिल रही है। तथा 15 मिलियन यूनिट बिजली अन्य राज्यों से खरीदी जा रही है। भले ही उत्तराखंड राज्य के गठन के साथ ही ऊर्जा प्रदेश बनाने के दावे किए जाते रहे हो लेकिन आज उसके पास अपनी बिजली के नाम पर सिर्फ 12 मिलियन यूनिट बिजली ही उपलब्ध है जबकि उसे जरूरत 45 मिलियन से भी अधिक बिजली की जरूरत है। इससे इस बिजली कटौती की स्थिति को ठीक से समझा जा सकता है। बीते कल मुख्यमंत्री धामी ने ऊर्जा विभाग के अधिकारियों की बैठक ली और उन्हें कड़ी फटकार लगाते हुए कहा कि वह समस्या का समाधान लेकर उनके पास आए। अब बिजली कोई इन अधिकारियों के घरों में तो पैदा हो नहीं सकती है। जहां तक बिजली खरीद की बात है तो पड़ोसी राज्य पहले अपनी जरूरत पूरा करेंगे और फिर बची हुई होगी उसे ही वह बेच सकते हैं। वहीं दूसरी बात यह है कि बिजली खरीद पर सरकार कितना खर्च कर सकती है? उसकी भी एक सीमा है। ऐसा तो संभव हो नहीं सकता कि राज्य सरकार 100 करोड़ की रोज बिजली खरीद सके। सच यह है कि उत्तराखंड की पहली निर्वाचित एनडी तिवारी सरकार के नेतृत्व में जिन बिजली परियोजनाओं पर काम शुरू किया गया था उन्हें भाजपा की डा. निशंक के नेतृत्व वाली सरकार ने साधु संतों के विरोध पर पलीता न लगाया होता तो आज इस ऊर्जा प्रदेश की यह हालत न हुई होती। विपक्ष कांग्रेस अब इस मुद्दे पर सरकार की घेराबंदी करने में झूठी है क्योंकि उसे पता है कि सरकार इसका कोई समाधान रातों-रात नहीं कर सकती है।

खंड-खंड से अखंड का मॉडल!

हरिशंकर व्यास

बताते है भारत इन दिनों विश्व गुरू है। भक्त हिंदुओं ने विश्व में भगवा पताका का झंडा गाढ़ दिया है। कुछ दिन पहले ही अपने अवतारी भगवानश्री के जेएनयू में निर्मित हनुमान एस जयशंकर ने अमेरिका को, पश्चिम को दिन में तारे दिखाए। हमारे वैदिकजी की माने तो भारत ने अमेरिका को झुका दिया! जयशंकर ने राष्ट्रपति पुतिन और राष्ट्रपति शी जिन पिंग के अंदाज में अपने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की भारत पहचान में दुनिया को, खासकर पश्चिमी देशों को नसीहत दी कि वे नए भारत (विश्वगुरू) का सत्य गले उतार ले। भारत को न सीखाएं बल्कि दुनिया भारत से सीखे! भारत से सीखे भाईचारा। भारत से सीखे बुलडोजर विकास। भारत से सीखे पानीपत की लड़ाई से राष्ट्र निर्माण। सचमुच दुनिया में कोई दूसरा देश नहीं है जिसके पास भारत जैसे मॉडल हो। गृहयुद्ध से गृह निमार्ण तो पडोसियों को किस्म-किस्म की गालियों-झगडों से उन्हे अखंड भारत में बाधना! जात, नस्ल, अस्मिता, खजाने को लुटाने की पोपुलिस्ट राजनीति से लेकर संघीय दरारों और पक्ष-विपक्ष की देशभक्त व देशद्रोही राजनीति जैसी शासन प्रवृतियो के मॉडलों को एक साथ अपनाए हुए सचमुच दुनिया का वह वंडर है जिसकी कल्पना बाकि देशों और खासकर विकसित-सभ्य लोकतांत्रिक देशों के नेताओं के लिए संभव ही नहीं।

मैं गांरटी के साथ कह सकता हूं कि हमारे वैदिकजी, मोहनजी की इस विश्वगुरूता को व्हाईट हाउस, व्हाईट हॉल तो क्या संयुक्त राष्ट्र की आम सभा भी नहीं समझ सकती कि- 15 साल में भारत फिर से 'अखंड भारत' बनेगा और ये सब हम अपनी आंखों से देखेंगे!'

वाह! अभूतपूर्व चमत्कारिक भविष्यवाणी! इस अखबार में हमारे वैदिकजी अंखड भारत, आर्यावत भारत के अपने इलहाम को लगातार लिखते रहे है। कुछ महिनों से उन्हे 'जन-दक्षेश' और आर्यावत के साझे में खाडी से लेकर थाईलैंड भी दिख रहे है। वे 16 देशों का विशाल संगठन बना रहे है। जन-दक्षेस उसका नाम है। उनका विश्वास है भारत के पास वह है जो किसी और के पास नहीं है। हम खास सांस्कृतिक चुंबक लिए हुए है जिससे भारत धुरी बनेगा। उनका विश्वास अब आस्था हुआ है क्योंकि संघ प्रमुख मोहन भागवत ने ऐलान किया है कि ज्योतिष के अनुसार २०-२५ साल में भारत अखंड भारत होगा। लेकिन सब मिलकर इस दिशा में कार्य करें तो १०-१५ साल में अखंड भारत बन जाएगा। भारत लगातार प्रगति पथ पर बढ़ रहा है और जो इसके रास्ते में आएगा वो मिट जाएगा।

सोचे सपने देखते इस नए भारत पर! कुछ वैसा ही सपना जैसे राष्ट्रपति शी जिन पिंग १०-15 सालों में दुनिया का केंद्र बिंदु, वापिस मिडिल किंगडम के गौरवमय मंचू इतिहास के साम्राज्य का ख्वाब लिए हुए है तो राष्ट्रपति पुतिन सोवियस संघ के गौरव की बहाली में यूक्रेन में झंडे गाढते हुए है।

रिसर्चर भारत आकर जरूर समझे कि क्या गुरु मंत्र है जो मर्यादा पुरुष राम की नवमी के दिन देश की स्क्रीन पानीपत लड़ाई की अखिल भारतीय झाकियां लिए हुए होने लगी है लेकिन बावजूद इसके ज्योतिष कह रहा है फिर से अंखड भारत बनेगा? तो भारत में आज वह क्या है, क्या शासन, राजनीति कला है, मॉडल है जिससे सबकुछ छिन्न-भिन्न होते हुए भी अखंड का निर्माण! हमारी बुद्धी का जवाब नहीं है!

सो ज्योतिष के ग्रह-नक्षत्रों की चाल, अवतारी मॉडल, पोपुलिस्ट मॉडल, नस्लीय मॉडल और पावर मॉडल व सबके परिणामों के खंड-खंड अणु विस्फोट से नई अंखड भारत रचना की गुरूता में हम हिंदु आज जैसे जीते हुए है उसके नतीजे निश्चित तौर पर हम हमारी आंखों के सामने देखेंगे। अपनी फिलहाल इतनी ही चाहना है कि अमेरिका और योरोप के नेताओं को भारत आकर भारत के नेताओं के चरणों में बैठ समझना चाहिए कैसे भारत खंड-खंड समाज रचना उसे अखंड भारत की और ले जाती हुई है। रिसर्चर भारत आकर जरूर समझे कि क्या गुरू मंत्र है जो मर्यादा पुरूष राम की नवमी के दिन देश की स्क्रीन पानीपत लड़ाई की अखिल भारतीय झाकियां लिए हुए होने लगी है लेकिन बावजूद इसके ज्योतिष कह रहा है फिर से अंखड भारत बनेगा? तो भारत में आज वह क्या है, क्या शासन, राजनीति कला है, मॉडल है जिससे सबकुछ छिन्न-भिन्न होते हुए भी अखंड का निर्माण! हमारी बुद्धी का जवाब नहीं है!

मिलावटखोरों को सजा-ए-मौत!

वेद प्रताप वैदिक

अगर दुनिया में मिलावटखोर देशों की खोज-बीन होने लगे तो शायद हमारे भारत का नाम पहली पंक्ति में होगा। ऐसा नहीं है कि अन्य देशों में मिलावट के अपराध नहीं होते लेकिन कई देशों में मिलावटखोरों के लिए उसी सजा का प्रावधान है, जो किसी हत्यारे के लिए होती है। वास्तव में मिलावटखोर किसी भी हत्यारे से बड़ा हत्यारा होता है। मिलावटी खाद्य पदार्थों का सेवन करनेवाले सैकड़ों और हजारों लोग धीरे-धीरे मारे जाते हैं। यह ऐसी प्रक्रिया है कि न मरनेवाले का पता चलता है और न ही मारनेवाले का! सब काम चुपचाप होता रहता है। हत्यारा तो दो-चार आदमियों को मार देता है लेकिन मिलावटखोर तो दर्जनों हत्यारों का कुकर्म अकेला ही कर देता है।

ऐसे ही एक हत्यारे को हरियाणा के पलवल में पुलिस ने रंगे हाथ गिरफ्तार किया है। वह देसी घी के नाम पर तरह-तरह के रासायनिक पदार्थों को मिलाकर नकली घी बेचता था। वह कई बड़ी-बड़ी कंपनियों का खराब हुआ घी खरीदकर उन्हें सुंदर-सी शीशियों में भरकर भी बेचता था। यह घी छोटे-मोटे दुकानदारों को काफी कम कीमत पर दिया जाता था। वे नकली घी को मंहगे दाम पर बेचकर उससे मुनाफा जमकर कमाते थे।

यह घी कई बीमारियां पैदा कर सकता है। हृदय रोग, रक्तचाप और मधुमेह तो यह घी पैदा करता ही है, इससे कैंसर का खतरा भी बढ़ जाता है। किडनी और यकृत को निढाल करने में यह घी विशेष सक्रिय रहता है। गर्भवती महिलाओं के लिए भी यह घी खतरे की घंटी है। घी में मिलावट से उतने लोग प्रभावित नहीं होते, जितने आटे और नमक में मिलावट से होते हैं। आटा और नमक तो गरीब से गरीब आदमी को भी रोज चाहिए। अभी सूरत में ऐसे आटे और नमक के कई प्रसिद्ध ब्रांडो के नमूने पकड़े गए हैं, जिन्हें खाने से तरह-तरह की बीमारियां हो सकती हैं।

खाने-पीने की ऐसी सैकड़ों चीजें हैं, जिसमें हर दिन मिलावट होती रहती है। मिलावटी चीजें प्रतिदिन खानेवाले ऐसे करोड़ों लोग हैं, जो अपनी तबियत खराब होने पर ठीक से इलाज भी नहीं करवा सकते। ऐसा नहीं है कि सरकार इन मिलावटखोरों के खिलाफ सक्रिय नहीं है या कोई कार्रवाई नहीं करती। सरकार ने 'खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम २००६' में मिलावटखोरों पर १० लाख रु. जुर्माने और 6 माह से लेकर उम्र कैद तक का प्रावधान कर रखा है लेकिन क्या आज तक किसी को उम्रकैद हुई है?

१० लाख जुर्माने की बात अच्छी है लेकिन कितने मिलावटखोरों पर यह जुर्माना अभी तक हुआ है? वास्तव में यह कानून बेहद सख्त होना चाहिए। मिलावट की गंभीरता के आधार पर सजा भी होनी चाहिए। मिलावटखोरों में से दो-चार को भी फांसी की सजा दी जाए और उसका जमकर प्रचार किया जाए तो भावी मिलावटखोरों की हड्डियों में कंपकंपी दौड़ सकती है। मिलावटी चीजों के कारखानों में काम करनेवालों और उन चीजों को बेचनेवाले दुकानदारों के लिए भी छोटी-मोटी सजा का प्रावधान हो तो उसका भी काफी असर पड़ेगा। वास्तव में मिलावट तो नर-संहार के बराबर अपराध है। सजा-ए-मौत ही इसका इसका सही जवाब है।

> ता ह त्यद्वर्तिर्यदरध्रमुग्रेत्था धिय ऊहथुः शश्वदश्वैः।
> मनोजवेभिरिषिरैः शयध्यै परि व्यथिर्दाशुषो मर्त्यस्य।।
>
> (ऋग्वेद ६-६२-३)
>
> हे प्राणपानो ! आप हमारे असमृद्ध शरीरगृह को समृद्ध करते हो। हमारी इंद्रियों के अश्वों को उन्नत करते हो। हमारे जो शत्रु है- काम, क्रोध, लोभ, मोह आदि उनको समाप्त करते हो। प्राणसाधना हमारे शरीर को हर प्रकार से स्वस्थ करता है।
>
> O Pranpaan ! You prosper our non-prosperous body-house. You develop the horses of our senses. Furthermore, you destroy our enemies - lust, anger, greed, attachment, etc. Pranasadhana makes our bodies healthy in every way.
>
> (Rig Veda 6-62-3)

लोन के नाम पर लाखों की धोखाधडी

संवाददाता

देहरादून। बजाज कम्पनी से लोन देने के नाम पर लाखों की धोखाधडी के मामले में पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार आईडीपीएल ऋषिकेश निवासी कृपाल सिंह ने साईबर थाने में प्रार्थना पत्र देते हुए बताया कि उसके फेसबुक पर एक लिंक दिखाई दिया जिस पर लिखा था कि 0 प्रतिशत ब्याज पर लोन उपलब्ध है बजाज का लिंक था उस पर डिटेल मांगी थी उसने भर दी कुछ दिन बाद बजाज की साइट से कस्टमर केयर बताकर मुझे काल आया और बताया कि 0 प्रतिशत पर लोन मिल जायेगा पोलिसी बेस पे एक नम्बर भेजाजो कि सिद्धार्थ खुरानां के नाम से है दिल्ली का है फिर मुझे ऑन लाइन पीएनबी मेटलाइफ की लिंक भेजी उसने पॉलिसी खरीद ली और फिर उसको भारती एएक्सए की लिंक आयी उसने उसे भी खरीद ली उसके बाद उसको बताया कि तुम्हारी फाईल प्रोसेज में हें और दस दिन में लोन मिल जायेगा। काफी दिनों तक जब उसको कोई फोन नहीं आया कि तुम्हारा लोन जीएसटी के कारण रूक गया है जीएसटी भर दो उसने उनको पैसे भेज दिये। उसने अभी तक तीन लाख रूपये कम्पनी को भेजे हैं लेकिन बाद में उसको पता चला कि उसके साथ धोखाधडी हुई है। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

बेकाबू ट्रक ने ठेली, रेहडी, बाईक में मारी टक्कर

संवाददाता

देहरादून। बेकाबू ट्रक के ठेली, रेहडी व बाईक को टक्कर मारने से अफरा तफरी मच गयी। काफी प्रयास के बाद लोगों ने अपनी जान बचायी। पुलिस ने ट्रक चालक के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर दिया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार सहसपुर थाना क्षेत्रान्तर्गत धर्मावाला चौक के पास सांय करीब साढे पांच बजे अफरा तफरी का माहौल बन गया जब एक ट्रक बेकाबू होकर लहराता हुआ वहां पर पहुंचा और उसने एक ठेली, फल की दुकान, ई-रिक्शा व एक मोटरसाईकिल सवार को टक्कर मार दी तथा अन्य लोगों को भी अपनी चपेट में लेता उससे ट्रक एक जगह जाकर रूक गया और चालक मौका पाकर वहां से फरार हो गया। पुलिस ने ट्रक को कब्जे में लेकर चालक के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है।

चोरों ने दुकान का ताला तोड सिगरेट- बीडी चुरायी

संवाददाता

देहरादून। चोरों ने दुकान का ताला तोडकर वहां से बीडी सिगरेट व अन्य सामान चोरी कर लिया। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार एमडीडीए कालोनी लक्ष्मण चौक निवासी कार्तिक गर्ग ने राजपुर थाने में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि उसकी ढाकपटटी में दुकान है। आज जब वह दुकान पर पहुंचा तो उसने देखा कि उसकी दुकान का ताला टूटा हुआ था तथा अन्दर सारा सामान बिखरा हुआ था। चोर उसकी दुकान से बीडी सिगरेट व अन्य सामान चोरी करके ले गये हैं। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

शराब पिलाने पर दुकानदार के खिलाफ मुकदमा

संवाददाता

देहरादून। पुलिस ने दुकान में शराब पिलाने पर दुकानदार के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार रायपुर थाना पुलिस ने चैकिंग के दौरान गुलरघाटी चौक पर एक दुकान पर छापा मारा तो वहां पर लोगों को शराब पीते देखा। पुलिस को देख वहां पर अफरा तफरी मच गयी और शराब पीने वाले वहां से भाग गये। पुलिस ने दुकान मालिक नीरज कुमार पुत्र मथुरा प्रसाद निवासी गुलरघाटी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है।

बिजली चोरी में तीन पर मुकदमा

संवाददाता

देहरादून। पुलिस ने बिजली चोरी में तीन लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी। प्राप्त जानकारी के अनुसार अवर अभियंता दीपक चंद जोशी ने डोईवाला थाने में घिसरपडी खत्ता निवासी सोनू, विजयपाल व धर्मसिंह के खिलाफ बिजली के पोल पर कटिया डालकर बिजली चोरी करने का मुकदमा दर्ज कराया। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

गैर उत्तराखंडी लोगों का सत्यापन करने की मांग

श्रीनगर गढ़वाल (आरएनएस)। आम आदमी पार्टी के प्रदेश प्रवक्ता गणेश भट्ट ने उपजिलाधिकारी कीर्तिनगर से देवप्रयाग और कीर्तिनगर तहसील के अंतर्गत आने वाले नगर पालिका क्षेत्र, नगर पंचायत क्षेत्र, सभी ग्राम पंचायतों में निवास कर रहे और रेलवे आदि परियोजनाओं में कार्य कर रहे गैर उत्तराखंडी लोगों का सत्यापन करने की मांग की है। कहा कि लम्बे समय से बड़ी संख्या में बाहरी लोग आ रहे है, किंतु उनका सत्यापन नहीं हो पा रहा है। इसके लिए राजस्व एवं पुलिस प्रशासन को जल्द कार्यवाही करनी चाहिए। एसडीएम कीर्तिनगर को दिये ज्ञापन में भट्ट ने कहा कि कोविड कॉल में लॉकडाउन समाप्ति के बाद सैकड़ों की संख्या में देवप्रयाग विधानसभा में बाहरी राज्यों से गैर उत्तराखंडी लोग यहां आकर निवास कर रहे हैं। इनमे अधिकतर की पहचान और मूल स्थान आदि की जांच पड़ताल नहीं की गई है। इसलिए इनका सत्यापन किया जाए।

चमोली पुलिस ने की ट्रैफिक कंट्रोल की विशेष तैयारी

चमोली (आरएनएस)। कोरोना काल के २ साल के बाद इस साल जिले में चारधाम यात्रा चरम पर रहने की उम्मीद जताई जा रही है। इसी शुभ संकेत को देखते हुए पुलिस अधीक्षक श्वेता चौबे ने पुलिस मैदान गोपेश्वर में शुक्रवार को नगर के संभ्रात व्यक्तियों, सीएलएजी मेम्बर, होटल एसोसिएशन, व्यापार मंडल के साथ गोष्ठी का आयोजन किया गया। एसपी ने कहा गोपेश्वर नगर बदरीनाथ–केदारनाथ यात्रा में मुख्य भूमिका निभाता है। जिसके लिए वे स्वयं ट्रैफिक प्लान पर निगरानी रखेंगी। चारधाम यात्रा के लिए केदारनाथ–बदरीनाथ जाने वाले लोगों को इस बार जाम से निजात मिलेगी। जाम से निपटने के लिए पुलिस ने पूरा खाका तैयार कर लिया हैं। जिसमें यातायात संबंधित विषयों और जाम से निजात दिलाने के लिए पुलिस अधीक्षक श्वेता चौबे स्वयं निरीक्षण करेंगी।

प्रदेश में विद्युत कटौती सरकार की बहुत बड़ी नाकामीःमोर्चा

विशेष संवाददाता

विकासनगर। जन संघर्ष मोर्चा अध्यक्ष रघुनाथ सिंह नेगी ने पत्रकारों से वार्ता करते हुए कहा कि सरकार की अदूरदर्शिता एवं लापरवाही की वजह से भयंकर गर्मी के दिनों में जनता को विद्युत कटौती के चलते मुसीबतों का सामना करना पड़ रहा है। यहां तक की बिजली पर आश्रित कारोबारियों एवं उद्योगपतियों को अपना कारोबार बंद कर भारी कीमत चुकानी पड़ रही है, जिसके लिए पूरी तरह से सरकार जिम्मेदार है।

नेगी ने कहा कि मोर्चा पिछले कई माह से लगातार सरकार से वितरण एवं ए टी एंड सी हानियां यानी लाइन लॉसेस कम करने के लिए चेताता रहा, लेकिन सरकार सोई रही। वर्ष 2019–20 में वितरण हानियां 13.40 फीसदी तथा ए टी एंड सी हानियां 20.44 फीसदी थी। मोर्चा के अथक प्रयास से बामुश्किल दो फीसदी ही लाइन लॉसेस कम हो पाई। सरकार की अनुभव हीनता का परिणाम आज जनता को भुगतना पड़ रहा है। कर्ज के सहारे चल रहे प्रदेश को बहुत महंगी दर पर बिजली खरीदने को मजबूर होना पड़ रहा है, जोकि प्रदेश की अर्थव्यवस्था को चौपट किया जा रहा है। नेगी ने कहा कि उत्तराखंड की धरती पर बड़ी-बड़ी जल विद्युत परियोजनाएं स्थापित हैं तथा हर वक्त उत्तराखंड का जनमानस अपनी जान जोखिम में डाले रहता है। बावजूद इसके, ऊर्जा प्रदेश के लोगों को बिजली कटौती का सामना करना बहुत ही दुर्भाग्यपूर्ण है। उन्होने कहा कि मोर्चा सरकार से मांग करता है कि प्रशासन व विद्युत विभाग के अधिकारियों को दिन-रात युद्ध स्तर पर लाइन लॉसेस कम करने को उनकी नकेल कसें। पत्रकार वार्ता में अमित जैन व गुरविंदर सिंह मौजूद थे।

पेशावर कांड के शहीदों को दी श्रद्धांजलि

विशेष संवाददाता

देहरादून। नेताजी संघर्ष समिति के उपाध्यक्ष प्रभात डंडरियाल और महासचिव आरिफ वारसी ने आज एक संयुक्त प्रेस विज्ञप्ति जारी करते हुए आज ही के दिन हुए पेशावर कांड में शहीद हुए शहीदों को याद किया तथा उन्हें 2 मिनट का मौन रखकर श्रद्धांजलि दी।

इस मौके पर समिति के प्रभात डंडरियाल और आरिफ वारसी ने कहा कि हमें वीर चंद्र सिंह गढ़वाली के योगदान को नहीं भूलना चाहिए जिन्होंने अंग्रेजों के शासनकाल में अपने अधिकारियों के आदेशों की अवहेलना करते हुए निहत्थे आंदोलनकारियों पर गोली नहीं चलाई और आंदोलनकारियों पर गोली चलाने से मना कर दिया। इस कार्य के लिए देशवासी सदैव उनके ऋणी रहेंगे पेशावर कांड के शहीदों को याद करने वालों में प्रभात डंडरियाल, आरिफ वारसी ,विपुल नौटियाल, अरुण खरबंदा ,दानिश नूर आदि लोग उपस्थित रहे।

24 अप्रैल से 1 मई तक चलेगा केसीसी बनाने को अभियान

पौड़ी (आरएनएस)। किसानों के लिए केसीसी बनाने के लिए अभियान ग्राम पंचायत से लेकर न्याय पंचायत तक चलेगा। संबंधित अफसर कैंप और बैठक कर केसीसी बनाने की प्रक्रिया को पूरा करेंगे। जिले में यह अभियान २४ अप्रैल से १ मई तक चलाया जाएगा। शुक्रवार को पौड़ी डीएम ने तैयारियों को लेकर बैठक ली और अफसरों को इस संबंध में आवश्यक दिशा–निर्देश दिए। भारत सरकार के निर्देशों के तहत के तहत पीएम किसान सम्मान निधि हेतु ब्किसान भागीदारी, प्राथमिकता हमारी बैठक आयोजित हुई। डीएम ने कहा कि एक मई तक चलने वाले इस अभियान में प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि के सभी लाभार्थियों को किसान क्रेडिट कार्ड दिए जाने है। इसके लिए ग्राम पंचायत और न्याय पंचायत स्तर पर यह अभियान चलाया जाएगा। संबंधित अफसर कैम्प और बैठक के माध्यम से किसानों के केसीसी कार्ड बनाएं और किसानों को इसका लाभ दे। डीएम ने कृषि विभाग, उद्यान, पशुपालन, मत्स्य, पंचायतीराज विभाग, राजस्व विभाग व अन्य संबंधित अधिकारियों को २४ अप्रैल को विशेष ग्राम सभा की बैठक में उपस्थित होने के भी निर्देश दिए। बैठक में पीएम किसान सम्मान निधि लेने वाले किसानों का अधिक से अधिक किसान क्रेडिट कार्ड बनाएं जाने के निर्देश दिए गए। साथ ही योजना का अधिक प्रचार–प्रसार हेतु सोशल मीडिया, वेबसाइड सहित अन्य का उपयोग कर अपलोड करें, जिससे किसानों को योजना की जानकारी मिल सकेगी। बैंक अधिकारियों से कहा गया कि जिन किसानों को किसान सम्मान निधि दी जा रही है, उनका डाटा फोन नबंर सहित उपलब्ध कराया जाए। किसानों को मैसेज के माध्यम से भी किसान क्रेडिट कार्ड की जानकारी दी जाएगी। डीपीआरओ को अभियान के शुभारंभ से लेकर समाप्ति तक ग्राम पंचायतों में बनाये जा रहे क्रेडिट कार्डो की जानकारी प्रतिदिन उपलब्ध कराने के लिए कहा गया। बैंक अपनी शाखावार क्रेडिट कार्डों की रिपोर्ट देंगे। ऐसे किसान जिन्हें पीएम किसान सम्मान निधि मिल रही है लेकिन केसीसी नहीं बना है उन्हें चिन्हित कर लाभावित किया जाएगा।

प्रदेश महिला कांग्रेस कार्यकारिणी भंग, जल्द गठित होगी नई कार्यकारिणीः रौतेला

विशेष संवाददाता

देहरादून। अखिल भारतीय कांग्रेस पार्टी की राष्ट्रीय अध्यक्ष सोनिया गांधी के निर्देशानुसार तथा अखिल भारतीय महिला कांग्रेस की राष्ट्रीय अध्यक्ष नेटा डिसूजा की संस्तुति तथा प्रदेश महिला कांग्रेस प्रभारी परमिंदर कौर से प्राप्त पत्र के क्रम में उत्तराखण्ड प्रदेश महिला कांग्रेस अध्यक्ष सहित चार वरिष्ठ उपाध्यक्षों के पद यथावत रखते हुए प्रदेश महिला कांग्रेस की कार्यकारणी को भंग कर दिया गया है।

इस बात जानकारी देते हुए प्रदेश महिला कांग्रेस अध्यक्ष ज्योति रौतेला नें बताया कि हाल ही में संपन्न विधानसभा चुनाव के परिणामों को दृष्टीगत रखते हुए प्रदेश कार्यकारणी, जिला अध्यक्ष, जिला कार्यकारिणी, ब्लॉक अध्यक्ष, ब्लॉक कार्यकारिणी को तत्काल प्रभाव से भंग किया जाता है। उन्होंने कहा कि शीघ्र ही नई कार्यकारणी का गठन किया जायेगा।

प्रदेश अध्यक्ष ज्योति रौतेला ने कहा कि महिला कमजोर नहीं है क्योंकि महिला जो अपना परिवार चलाती है घर के काम से लेकर बाहर के काम तक करती है महिलाओं को अपने आप को कमजोर नहीं समझना चाहिए और जो भी कार्य उन्हें सौंपा जाए उसे पूरी जिम्मेदारी के साथ पूरा करना चाहिए अगर महिलाएं ठान ले तो बहुत से परिवर्तन समाज में आ सकते हैं। उन्होंने कहा कि सब एकजुट होकर चलें तो महिला कांग्रेस को दूर तक ले कर जा सकती है।

उन्होंने कहा कि आने वाले समय में पार्टी को मजबूती मिलेगी तथा आने वाले पंचायत, नगर निकाय एवं लोकसभा चुनाव में कार्यकर्ताओं की बदौलत पार्टी फिर से राज्य में अपना परचम लहरायेगी।

उन्होंने यह भी कहा कि कांग्रेस पार्टी ने इस सदी में बहुत बडी–बडी हार और जीत देखी हैं उसके बाद हमेशा पार्टी और मजबूती के साथ उभर कर आई है। अनादिकाल से महिलायें समाज की पथ प्रदर्शक रही हैं उन्होंने समाज को एक नई दिशा देने का काम किया है।

कब्ज से राहत दिला सकते हैं घरेलू नुस्खे

शरीर की पाचन क्रिया के सुचारू रूप से काम न करने की वजह से कब्ज जैसी समस्याएं उत्पन्न हो सकती है, जो पेट और आंत से जुड़ी कई परेशानियों को जन्म दे सकती हैं। इसके अतिरिक्त, कब्ज की समस्या के कारण शरीर में भी भारीपन महसूस होने लगता है। आइए आज हम आपको कुछ ऐसे घरेलू नुस्खे बताते हैं, जो कब्ज की समस्या से जल्द राहत दिलाने में काफी मदद कर सकते हैं।

अगर कब्ज वाले लोग सुबह एक गिलास पानी पीने के बाद टहलते या फिर सूर्य नमस्कार जैसे योगासन का अभ्यास करते हैं तो इससे भी उनको फायदा होगा। इसके अतिरिक्त, कब्ज से राहत पाने के लिए ईसबघोल पाउडर को पानी या दही में मिलाकर खा सकते हैं।

रोजाना पर्याप्त मात्रा में पानी पिएं : निर्जलीकरण की वजह से व्यक्ति को कब्ज की समस्या का सामना करना पड़ सकता है। दरअसल, जब कोई व्यक्ति निर्जलित हो जाता है, तो शरीर पेट सहित पूरे शरीर से पानी खींचना शुरू कर देता है, जिसके कारण कब्ज की समस्या उत्पन्न हो सकती है। इसलिए रोजाना कम से कम छह से आठ गिलास पानी जरूर पिएं क्योंकि इससे शरीर हाइड्रेट रहेगा और हाइड्रेट रहने से मल नरम रहता है, जिससे मल त्यागने में कोई परेशानी नहीं होती।

डाइट में शामिल करें फाइबर युक्त खाद्य पदार्थ : कब्ज की समस्या से राहत पाने के लिए डाइट में फाइबर युक्त खाद्य पदार्थों को शामिल करना भी लाभदायक हो सकता है। इसके लिए अधिक से अधिक हरी सब्जियां, ताजे और मौसमी फल और साबुत अनाज आदि का सेवन किया जा सकता है। इस प्रकार के भोजन को करने से पाचन क्रिया स्वस्थ रहती है और अगर पाचन क्रिया सही रहेगी तो कब्ज जैसी पाचन संबंधित समस्याएं नहीं होगी।

तेल मालिश आएगी काम : आप चाहें तो कब्ज की समस्या से राहत पाने के लिए मालिश भी कर सकते हैं। इसके लिए सबसे पहले बेड या फिर जमीन पर पीठ के बल लेटें, फिर अपनी हथेलियों पर थोड़ा सा तेल लेकर पेट की क्लॉक वाइज मालिश करें। ध्यान रखें कि मालिश हल्के हाथों से करनी है। कब्ज होने पर दिन में दो बार इस उपाय को अपनाएं और मालिश के बाद गर्म पानी या हर्बल टी पिएं।

एक्सरसाइज और योगासनों का अभ्यास करें : कुछ एक्सरसाइज और योगासनों का अभ्यास भी कब्ज की समस्या से राहत दिलाने में मदद कर सकता है। एक्सरसाइज की बात करें तो रिलेक्सिंग टेक्निक, स्ट्रेचिंग एक्सरसाइज और स्ट्रेटनिंग पेल्विक फ्लोर मसल एक्सरसाइज को अपने रूटीन में शामिल करना फायदेमंद है। वहीं, योगासनों के तौर पर सूर्य नमस्कार, उत्तानपादासन, मंडूकासन, मत्स्यासन, सुप्त वज्रासन, चक्रासन, धनुरासन, मकरासन, नौकासन और मत्स्य क्रीड़ासन आदि का अभ्यास करने से यह समस्या दूर हो सकती है।(आरएनएस)

अंजली अरोड़ा ने बॉडी शेमिंग को लेकर सुनाई आप बीती

टीवी से लेकर बॉलीवुड तक के सेलेब्स को लोग परफेक्ट देखना पसंद करते हैं। यही वजह है कि ये स्टार्स खुद को फिट रखने के लिए कड़ी मशक्कत भी करते हैं। बावजूद इसके कई सेलेब्स को बॉडी शेमिंग का भी सामना करना पड़ जाता है।

वहीं धीरे-धीरे अब स्टार्स बॉडी शेमिंग को लेकर खुलकर बात करने लगे हैं। हाल ही में कच्चा बदाम गर्ल अंजली अरोड़ा ने भी बॉडी शेमिंग को लेकर अपनी आप बीती सुनाई। अंजली अरोड़ा टीवी की मशहूर अभिनेत्रियों में से एक है। बावजूद उन्होंने भी अपनी ब्रेस्ट साइज को लेकर लोगों के ताने सुनने पड़े।

महिला ने ब्रेस्ट साइज पर किया कमेंट

दरअसल, हाल ही में एक वेबसाइट से बातचीत करते हुए एक्ट्रेस अंजली अरोड़ा ने टीनेज से जुड़ा एक किस्सा बताया।अंजली अरोड़ा ने कहा कि 'मुझे छोटी उम्र में ही कई बातों को लेकर ताने मिलते थे। जिसके बाद से मैं उन बातों से डरने लगी थीं। मुझे आइडिया ही नहीं था कि मेरे साथ ऐसा क्यों हो रहा है।

एक्ट्रेस ने बताया कि उन्होंने ब्रेस्ट साइज तक के लिए सुनाया गया है। किस्सा शेयर करते हुए अंजली ने बताया कि उन्हें एक महिला ने कहा था कि तुम्हारा सीना सपाट नहीं है। तुम काफी ठीक-ठाक हो।तुम्हारी ब्रेस्ट साइज को देख तो ऐसा लगता है कि तुम बहुत सेक्स करती हो। एक्ट्रेस ने बताया कि जब उस महिला ने उनसे यह बातें कहीं थीं तब उनका मतलब तक नहीं जानती थीं और वह वर्जिन थीं।'

वैसे आपको बताते चलें कि वर्ल्ड मेंटल हेल्थ डे पर एक्ट्रेस बॉडी शेमिंग को लेकर बात कर चुकी हैं। उन्होंने एक पोस्ट में बताया था कि एक शख्स ने उनसे ब्रेस्ट का साइज पूछा था जिसके जवाब उन्होंने बड़े ही सख्त अंदाज में दिया था।

शब्द सामर्थ्य -104

(भागवत साहू)

बाएं से दाएं

1. संबंध, लगाव, नाता, काम 2. सिसकने की आवाज, सीत्कार 4. आग की ज्वाला, दहक 5. दियासलाई 7. प्रतिकार, प्रतिशोध 8. बाबुल की दुआएं लेती जा... गीतवाली बलराज साहनी, मनोजकुमार, राजकुमार, वहीदा की फिल्म 11. करतल ध्वनि 13. आपसी व्यवहार का संबंध, वास्ता 15. वचन, जीभ 16. रोगियों को स्वस्थ और मृतकों को जीवित कर देने वाला 17. एक सुंदर फूलदार वृक्ष 19. पत्नी, बीवी 20. मसालेदार सुगंधित सुरती।

ऊपर से नीचे

1. उचित, उपयुक्त, जायज 2. किवाड़ को अंदर से बंद करने लगा छड़, चटखनी 3. मांस के अत्यंत छोटे टुकड़े 4. माथा, मस्तक 6. कटोरी के आकार का नलीदार पात्र जिसमें तंबाकू रखकर पीते हैं 9. रेखा 10. खून से लथपथ 11. छिपकर बुरी नजर से ताकने की क्रिया, रह रहकर ताकने की क्रिया 12. व्यापार, धंधा 13. श्रृंगार करना, साजन 14. श्रवणइंद्रीय 16. सीमा, हद 18. चमड़ा, चाम 19. बोझ, दबाव।

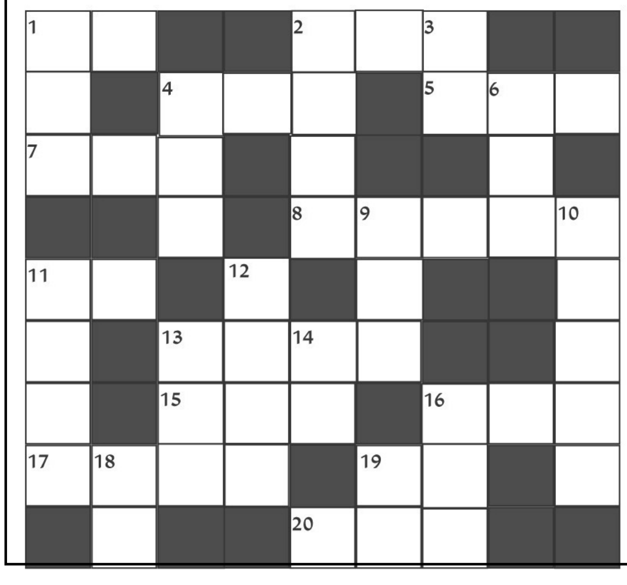

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 103 का हल

मै	दा	न		स	र	ग	म	
त्री		सी			क्षा		धु	र्रा
	सा	ह	स				र	
स्वा	ग	त		स	म	झौ	ता	
व	र			र				म
लं		वि	ला	स			दा	म
बी	न		ज		सा	मा	न	ता
	ज		वा	हि	या	त		
त	र	की	ब		ना		खा	ली

इस तरह से करें सब्जियों की सफाई, कीड़ों के साथ ही कीटनाशक से भी मिलेगा छुटकारा

गर्मियों का मौसम जारी हैं और इस दौरान सबसे ज्यादा परेशानी आती हैं सब्जियों के खराब होने की, खासतौर से इनमें कीड़े लगने की। जी हां, इन दिनों में सब्जियों का इस्तेमाल जरा संभलकर करने की जरूरत हैं क्योंकि सब्जियों में कीड़े लगने का डर बना रहता हैं जिनका सेवन आपकी सेहत के लिए हानिकारक साबित हो सकता हैं। इसी के साथ ही सब्जियों पर लगे कीटनाशक भी सेहत को नुकसान पहुंचाने का काम करते हैं जिन्हें हटाना भी बहुत जरूरी हैं। आज इस कड़ी में हम आपको बताने जा रहे हैं कि किस तरह सब्जियों की सफाई की जाए ताकि कीड़ों के साथ ही कीटनाशक से भी छुटकारा मिल सकें। तो आइये जानते हैं इन उपायों के बारे में.

ब्रोकली से कैसे निकालें कीड़े?

ब्रोकली सेहत के लिए फायदेमंद होती है। लेकिन उसमें मौजूद कीड़ो के कारण कोई भी उसका सेवन नहीं करता। इसका सेवन करने से पहले इसको साफ करना भी जरुरी है। इसमें से कीड़े निकालने के लिए आप इसके पिछले हिस्से को पहले काट लें और ब्रोकली के सारे फूलों को अलग कर दें। फिर गर्म पानी करके इसमें थोड़ा सा नमक मिलाएं और ब्रोकली को 3० मिनट के लिए रख दें। फिर साफ पानी में से निकाल कर आप इसका इस्तेमाल कर सकते हैं।

फूल गोभी से कैसे निकालें कीड़े?

सबसे पहले गोभी को 4-5 हिस्सों में काट लें। किसी बड़े साइज में काटें ताकि यह पानी में न घूले। फिर किसी बर्तन में पानी डालकर गर्म करें और उसमें 3 चम्मच हल्दी मिला लें। पानी में गोभी को 15-2० मिनट के लिए डिप करके रख दें। उसके बाद साफ पानी से निकाल कर आप इसका खाना बनाने में इस्तेमाल कर सकती हैं।

पत्ता गोभी से कैसे निकालें कीड़े?

पत्ता गोभी का रंग हरा होता है। जिसकी वजह से इसमें कीड़े दिखाई नहीं देते। बहुत से लोग इसे मानसून में खाने से बचते हैं। इसमें कीड़े निकालने में समय लगता है। इससे कीड़े निकालने के लिए पत्तागोभी के ऊपर की दो लेयर निकालकर फेंक दें। बाकी लेयरस के निकाल कर अलग-अलग रख दें। किसी बर्तन में गुनगुना पानी डालकर उसमें 1 चम्मच हल्दी मिक्स करें। उसमें पत्तागोभी के सारे पत्ते डालकर 15-2० मिनट के लिए भिगो कर रख दें। फिर गोभी को बाहर निकालकर साफ पानी से निकाल दें।

पालक से कैसे निकालें कीड़े?

बरसाती मौसम में बहुत से लोग पालक की सब्जी का सेवन नहीं करते। कीड़े लगने के कारण बहुत से लोग इससे परहेज हैं। इस मौसम में पालक के पत्तों में छेद होता है। जिस वजह से भी इसका इस्तेमाल करने से सभी डरते हैं। पालक से कीड़े निकालने के लिए आप गर्म पानी करके उसमें थोड़ा सा नमक मिला दें और पालक को पानी में डालकर 15-2० मिनट के लिए रख दें। थोड़ी देर के बाद साफ पानी में से पानी निकालकर आप इसका इस्तेमाल कर सकते हैं।

विनेगर से हटाए कीटनाशक

1० प्रतिशत सफेद सिरके और 9० प्रतिशत पानी के घोल में अपनी सभी सब्जियों और फलों को भिगो दें। इस घोल को अच्छी तरह से हिलाएं और सब्जियों को अच्छी तरह से रगड़ें। फलों में जामुन को धोते समय सावधान रहें क्योंकि इसका छिलका पतला होता है, जिसके कारण इसकी बाहरी त्वचा को नुकसान पहुंच सकता है।(आरएनएस)

सामंथा ने दी सलाह, कभी भी न बनवाएं टैटू

एक्ट्रेस सामंथा रुथ प्रभु ने हाल ही में इंस्टाग्राम पर सवाल-जवाब का सेशन रखा था। उनके एक प्रशंसक ने अभिनेत्री से पूछा वह अपनी बॉडी पर किस तरह का टैटू बनवाना चाहती हैं। जिस पर अभिनेत्री ने दो टूक जवाब देते हुए कहा कि उन्हें अब टैटू बनवाना पसंद नहीं है। अभिनेत्री ने जोर देकर कहा कि यंग लोगों को मेरी सलाह है कि कभी भी टैटू न बनवाएं।

सामंथा को तीन टैटू के लिए जाना जाता है, जो सभी उनके पूर्व पति नागा चैतन्य से संबंधित हैं। सामंथा ने पहले टैटू में वाईएमसी लिखाया था, जो सैम और नागा की पहली फिल्म ये माया चेसावे का संक्षिप्त नाम है।

दूसरा टैटू, जिसमें चाय लिखा है, उसकी दाहिनी रिब पर अंकित है, जबकि तीसरा टैटू अधिक अनोखा है, क्योंकि चैतू और सामंथा दोनों ने अपनी बाजू पर दो तीरों का एक ही जैसा टैटू गुदवाया था।

वर्कफ्रंट की बात करें तो सामंथा अगली बार शकुंतलम और यशोदा में दिखाई देंगी।

वैधानिक सूचना

सुविज्ञ पाठकों से आग्रह है कि इस समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन में दिए गए तथ्यों, शर्तों और दावों के प्रति वह खुद भी आश्वस्त हो लें। पाठकों से आग्रह है कि वह प्रकाशित विज्ञापन से प्रभावित होकर कोई कदम उठाने से पहले अपने स्तर पर भी स्वयं के संतुष्ट होने तक संपूर्ण व्यावहारिक जानकारी कर लें। भविष्य में किसी भी प्रकाशित विज्ञापन में निहित दावों या शर्तों को लेकर पाठकगण को कोई असुविधा या परेशानी होती है तो *सांध्य दैनिक दून वैली मेल* के मुद्रक, प्रकाशक या सम्पादक की कोई जवाबदेही नहीं होगी।

–प्रबंधक विज्ञापन

ओह माई डॉग के लिए 100 से ज्यादा कुत्तों के साथ शूटिंग की : अरुण विजय

आने वाली फिल्म ओह माई डॉग एक लड़के और उसके कुत्ते की कहानी है, लेकिन फिल्म निर्माण के दौरान और भी कुत्ते काम कर रहे थे। अभिनेता अरुण विजय और निर्देशक सरोव षणमुगम ने खुलासा किया कि उन्होंने इस फिल्म के लिए 100 से अधिक कुत्तों को प्रशिक्षित किया और उनके साथ काम किया। अमेजॅन ओरिजिनल मूवी ओह माई डॉग के हाल ही में लॉन्च हुए ट्रेलर ने बच्चों और पालतू जानवरों के प्रेमियों के बीच चर्चा का विषय बना दिया है। ट्रेलर में कई चार पैर वाले प्यारे दोस्त दिखाई दे रहे हैं। 100 कुत्तों के साथ काम करने के बारे में बात करते हुए अभिनेता अरुण विजय ने साझा किया, एक ही समय में इतने सारे कुत्तों के साथ काम करना वास्तव में चुनौतीपूर्ण था। मुझे लगता है कि हमने लगभग 100 से ज्यादा कुत्तों के साथ शूटिंग की। बहुत मजा आया। पूरी कास्ट और क्रू, राजा, ट्रेनर और हमारे निर्देशक सरोव को सलाम यह सुनिश्चित करने के लिए कि सब कुछ सुचारु रूप से चले, जिसके परिणामस्वरूप हम एक खूबसूरत कहानी का हिस्सा बन गए जो हम सभी को प्रसन्न करेगी।

ओह माई डॉग एक पिल्ला और एक बच्चे के भावनात्मक बंधन के बारे में एक प्यारी कहानी है। अर्जुन सिम्बा से मिलता है, जब वह उसे बचाता है और फिर उसे अपना बना लेता है। निर्देशक सरोव ने स्वीकार किया, हमने पहले तीन एक जैसे कुत्तों को खरीदा और उन्हें अलग-अलग प्रशिक्षित किया। शूटिंग से ठीक पहले, मैं एक ही रंग का 5-6 साल का पिल्ला प्राप्त करने में कामयाब रहा। समस्या यह थी कि हर 10 दिनों में ऊंचाई बदलती रहती थी। यह फैमिली एंटरटेनर 21 अप्रैल को पूरे भारत और दुनियाभर में प्राइम वीडियो पर तमिल और तेलुगू में एक विशेष वैश्विक प्रीमियर के लिए तैयार है।

सरकारु वारी पाता के सेट से लीक हुआ वीडियो

तेलुगु स्टार महेश बाबू की आने वाली फिल्म सरकारू वारी पाता के एक सीन लीक हो गया जो वीडियो मेकर्स और महेश दोनों के फैंस के लिए चिंता का विषय बन गया है। महेश बाबू और कीर्ति सुरेश-स्टारर सरकारू वारी पाता अपने निर्माण के अंतिम चरण में है। सरकारू वारी पाता के सेट से एक लीक वीडियो अब सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। वीडियो में एक सीन शूट किया गया है जिसमें महेश बाबू किसी को उपदेश देते नजर आ रहे हैं। हालांकि यह स्पष्ट है कि वीडियो हाल का नहीं है, क्योंकि महेश ने कुछ समय पहले टॉकी पार्ट खत्म किया था, फिर भी यह आश्चर्य की बात है कि सेट से वीडियो लीक कैसे हो गया। तेलुगु निर्माता हाल ही में जिन प्रमुख मुद्दों से जूझ रहे हैं उनमें से एक सुरक्षा की कमी है। एक या एक से अधिक बड़े बजट की फिल्मों को अति उत्साही उत्पादन कर्मियों द्वारा नुकसान पहुंचाया गया है जो सेट से गोपनीय फुटेज लीक करते हैं। अपनी आखिरी रिलीज सरिलरु नीकेवरु के दो साल से अधिक समय के बाद, महेश 12 मई को बॉक्स ऑफिस पर वापसी कर रहे हैं।

मधुरिमा तुली की नई महिला केंद्रित फिल्म जीना अभी बाकी है

कुमकुम भाग्य फेम मधुरिमा तुली एक म्यूजिकल फिल्म जीना अभी बाकी है में नजर आने वाली हैं। फिल्म में मधुरिमा के अलावा अनुप्रिया गोयनका, दिव्यांका त्रिपाठी, प्रिया मलिक और राशा किरमानी भी अहम भूमिकाओं में हैं।

फिल्म के बारे में बात करते हुए मधुरिमा कहती हैं, महिला केंद्रित यह प्रोजेक्ट सिर्फ महिलाओं की कुछ कहानियां नहीं है और पूरी तरह से विभिन्न अवधारणाओं का एक बहुरूप-दर्शक है। शो के साथ अपने सफर की शुरुआत करने वाली अभिनेत्री ने कहा, हम महिलाओं के इर्द-गिर्द घूमती एक फिल्म की शूटिंग करना वाकई मजेदार था। दुनिया को ऐसी और फिल्मों की जरूरत है। सोनू निगम के संगीत और इम्तियाज अली के स्पर्श वाली फिल्म के लिए काम करना अद्भुत है। वरुण गुप्ता द्वारा निर्देशित और बिग बैंग मीडिया ओरिजिनल की प्रस्तुति जीना अभी बाकी है एक संगीतमय फिल्म है।

श्रुति हासन ने शुरु की मेगा 154 की शूटिंग

एक्ट्रेस श्रुति हासन इन दिनों तेलुगु फिल्म मेगा 154 को लेकर काफी चर्चाओं में है। एक्ट्रेस ने मंगलवार सुबह इंस्टाग्राम पर घोषणा की, कि वह मेगा 154 के सेट पर वापस आ गई हैं। इंस्टाग्राम पोस्ट में शेयर की गई तस्वीर में श्रुति हासन जिम के कपड़ों में नजर आ रही हैं। वहीं चेहरे पर मास्क लगाया हुआ है। अपनी इस तस्वीर के साथ एक्ट्रेस ने फिल्म से जुड़ा अपडेट दिया।

आपको बता दें कि तेलुगु फिल्म मेगा 154 को बॉबी डायरेक्ट कर रहे हैं जबकि नवीन यरनेनी और वाई रविशंकर इसे प्रॉड्यूस कर रहे हैं। फिल्म में चिरंजीवी लीड एक्टर हैं। श्रुति हासन पहली बार चिरंजीवी के साथ नजर आएंगी। फैंस इस जोड़ी को पर्दे पर देखने के लिए बेताब है। फिल्म में रॉकस्टार देवी श्री प्रसाद का संगीत है, जिन्होंने कई चार्टबस्टर एल्बम्स में चिरंजीवी के साथ काम किया है। श्रुति आखिरी बार रवि तेजा की फिल्म क्रैक में नजर आई थीं। गोपीचंद मल्लिनेनी द्वारा निर्देशित उनकी अपकमिंग फिल्म में वह बालकृष्ण के साथ नजर आएंगी।

अनिल कपूर और हर्षवर्धन कपूर की थार 6 मई को नेटफ्लिक्स पर आएगी

दिग्गज अभिनेता अनिल कपूर ने बॉलीवुड में बड़ा नाम कमाया है। उन्होंने कई सुपरहिट फिल्मों में अपनी मौजूदगी दर्ज कराई है। वह पिछले कुछ समय से अपने बेटे और अभिनेता हर्षवर्धन कपूर को इंडस्ट्री में स्थापित करने में लगे हैं। इस बाप-बेटे की जोड़ी नेटफ्लिक्स की आगामी फिल्म थार में नजर आएगी। अब मेकर्स ने इस फिल्म की रिलीज डेट घोषित कर दी है। थार 6 मई को नेटफ्लिक्स पर प्रसारित होगी।

अनिल ने फिल्म का पोस्टर शेयर करते हुए इसकी रिलीज डेट की जानकारी सोशल मीडिया पर दी है। उन्होंने अपने ट्विटर पोस्ट में लिखा, इस बंजर जमीन के छुपे सारे राज हो जाएंगे जल्द कानून के हाथ बेनकाब! 6 मई को आने वाली थार के रहस्य को सिर्फ नेटफ्लिक्स पर देखिए। शेयर किए गए पोस्टर में अनिल और हर्षवर्धन का लुक काफी इंटेंस नजर आ रहा है। फिल्म को बाप-बेटे की जोड़ी ने ही प्रोड्यूस किया है।

फिल्म के बारे में बात करते हुए अनिल ने कहा, हमने थार के साथ जो हासिल किया है, उस पर मुझे बहुत गर्व है और कई कारणों से फिल्म को लेकर बहुत उत्साहित हूं। स्क्रीन पर हम हर्षवर्धन और फातिमा सना शेख की फ्रेश जोड़ी को देख पाएंगे। एक अभिनेता और एक निर्माता के रूप में मैंने हमेशा नए कंटेंट के साथ आगे बढ़ने और यथास्थिति को बदलने का प्रयास किया है। राज सिंह चौधरी फिल्म के निर्देशक हैं।

फिल्म के लेखन का जिम्मा भी राज सिंह ने संभाला है। सतीश कौशिक भी इस फिल्म का अहम हिस्सा हैं। थार एक रिवेंज ड्रामा है, जिसमें अनिल पुलिस अफसर का किरदार निभाएंगे। थार रेतीले पहाड़ों की पृष्ठभूमि पर आधारित है। यह अस्सी के दशक की एक कहानी है, जो सिद्धार्थ नाम के शख्स पर केंद्रित है। सिद्धार्थ की भूमिका हर्षवर्धन निभाएंगे। इसकी कहानी हर्षवर्धन के किरदार के आसपास घूमती दिखेगी, जो बदले की आग में जल रहा है।

पिछले साल 24 दिसंबर को अनिल की फिल्म एके वर्सेज एके रिलीज हुई थी। विक्रमादित्य मोटवानी ने फिल्म का निर्देशन किया था। अनिल और अनुराग कश्यप ने इसमें मुख्य भूमिका निभाई थी। खास बात यह है कि इस फिल्म में हर्षवर्धन भी नजर आए थे, लेकिन उनकी भूमिका काफी छोटी रखी गई थी। हालांकि, फिल्म को दर्शकों ने नकार दिया था। इसमें हर्षवर्धन की बहन सोनम कपूर भी नजर आई थीं।

अनिल और हर्षवर्धन ने भारत के जबरदस्त निशानेबाज अभिनव बिंद्रा की बायोपिक के लिए हाथ मिलाया था, लेकिन यह अभी तक शुरू नहीं हुई है। हर्षवर्धन ने कहा था कि उन्हें उम्मीद है कि इसके जरिए वह हिंदी सिने प्रेमियों तक अपनी पहुंच बना पाएंगे।

जयेशभाई जोरदार मेरे दिल के सबसे करीब हैः रणवीर

सुपरस्टार रणवीर सिंह का कहना है कि उनकी आने वाली फिल्म जयेशभाई जोरदार उनके दिल के सबसे करीब है, जिसमें उन्होंने देश के सबसे बड़े निर्देशकों के साथ काम किया है। रणवीर कहते हैं कि मैं धन्य और भाग्यशाली हूं कि मुझे यह स्क्रिप्ट मिली जो लोगों को प्रभावित करेगी। मैं आभारी हूं। जिन भूमिकाओं को मैंने पर्दे पर जीवंत किया है, मुझे उन पर भी गर्व है। मेरा हमेशा से मानना रहा है कि अगर मुझे देश का सबसे अच्छा अभिनेता-मनोरंजक बनना है, तो मुझे ऐसे काम करने होंगे जो कोई न करता हो। उन्होंने आगे कहा, जयेशभाई जोरदार एक ऐसी फिल्म है जिसका हिस्सा बनकर मुझे बहुत मजा आया क्योंकि इसने मुझे फिर से एक ऐसा चरित्र निभाने के लिए प्रेरित किया, जिसका हिंदी सिनेमा में कोई संदर्भ बिंदु नहीं था। रणवीर ने जोर देकर कहा कि जयेशभाई जैसा किरदार पहले नहीं देखा गया है। रणवीर आगे कहते हैं कि उम्मीद है कि जयेशभाई पर्दे पर वीरता की परिभाषा बदल देगा और उम्मीद है कि सबसे मनोरंजक और प्रफुल्लित करने वाले अंदाज में लोगों के लिए एक महत्वपूर्ण संदेश छोड़ेगा। जयेशभाई के चरित्र और फिल्म से उनकी अपेक्षाओं के बारे में उन्हें क्या पसंद है, इस बारे में रणवीर कहते हैं कि वह तेज दिमाग वाला है और उसका दिल साफ है। आपको ऐसी फिल्में हर दिन नहीं मिलती है।

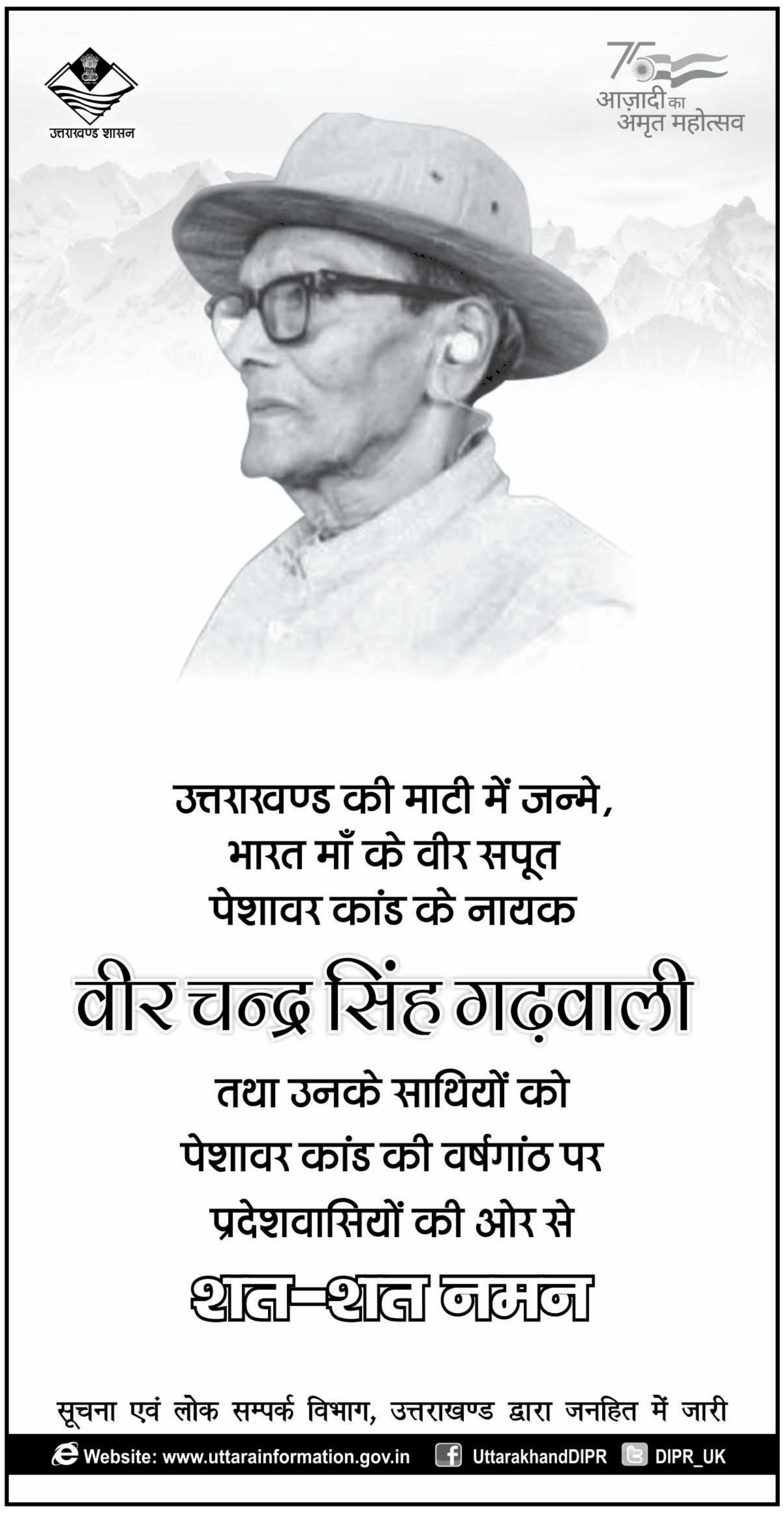

महंगाई का राजनीति महत्व समाप्त!

अजीत द्विवेदी

जिस तरह हर वस्तु और विचार की एक्सपायरी डेट होती है उसी तरह राजनीतिक मुद्दों के साथ भी होता है। एक समय आता है, जब राजनीतिक मुद्दे, नारे आदि एक्सपायर हो जाते हैं। ऐसा नहीं है कि उन मुद्दों का आम आदमी के जीवन में महत्व खत्म हो जाता है। उनका महत्व रहता है और यह भी संभव है कि महत्व ज्यादा हो जाए, फिर भी उसकी राजनीतिक प्रासंगिकता खत्म हो जाती है। जैसे अभी महंगाई की हो गई है। एक जमाने में महंगाई का मुद्दा सबसे बड़ा होता था। 1977 में बनी देश की पहली गैर कांग्रेस सरकार भले नेताओं के आपसी कलह से गिरी थी, लेकिन उस सरकार के चुनाव हारने में सबसे बड़ा मुद्दा महंगाई का था। दिल्ली में 1998 में प्याज का ६० रुपए किलो बिकना सबसे बड़ा राजनीतिक मुद्दा था और इस मुद्दे पर भाजपा चुनाव हारी थी। नरेंद्र मोदी जब प्रधानमंत्री पद के दावेदार के तौर पर २014 में चुनाव लड़ने उतरे तो उनके प्रचार अभियान में भी महंगाई सबसे बड़ा मुद्दा था। उन्होंने नारा दिया था, 'बहुत हुई महंगाई की मार, अबकी बार मोदी सरकार'। एक दूसरा नारा था 'बहुत हुई पेट्रोल-डीजल की मार, अबकी बार मोदी सरकार'।

कई और कारणों से कांग्रेस की सरकार से नाराज लोगों ने महंगाई और विकास के मुद्दे पर भाजपा को वोट दिया और ३० साल बाद पहली बार केंद्र में पूर्ण बहुमत की सरकार बनी। उसके बाद लोकसभा का एक और चुनाव हुआ और विधानसभा के ५० के करीब चुनाव हुए कहीं भी महंगाई का मुद्दा सुनने को नहीं मिला। सुनने को तो विकास का मुद्दा भी कहीं नहीं मिला पर उसे छोड़ सकते हैं क्योंकि विकास एक सब्जेक्टिव विषय है। उसके बारे में सबकी अपनी अपनी धारणा हो सकती है। लेकिन महंगाई तो सार्वभौमिक है। सबके लिए समान रूप से है। फिर भी इसकी चर्चा नहीं है। सोचें, आठ साल पहले कैसे भाजपा के नेता प्याज और सब्जियों की माला पहन कर और सिलेंडर लेकर धरने पर बैठा करते थे। तब रसोई गैस के एक सिलेंडर की कीमत चार सौ रुपए थी, अब उसकी कीमत एक हजार रुपए है लेकिन जब विपक्ष के नेता सिलेंडर लेकर धरना देने निकलते हैं तो लोग ही उनका मजाक उड़ाने लगते हैं। महंगाई आम लोगों की समस्या है, लेकिन उनको लगता है कि विपक्ष अपने राजनीतिक लाभ के लिए यह मुद्दा उठा रहा है। ऐसा लगता है कि जनता ने सोच लिया है कि विपक्ष को किसी तरह से राजनीतिक लाभ नहीं लेने देना है, चाहे उन्हें खुद कितनी भी समस्या क्यों न झेलनी पड़े।

महंगाई को न्यायसंगत ठहराने के कारण भी खोज लिए गए हैं। पहले अगर कोई नेता महंगाई को सही ठहराता था तो उसे असंवेदनशील माना जाता था। आम लोगों में उसकी छवि जन विरोधी नेता की बनती थी। जब महंगाई के मुद्दे की एक्सपायरी डेट नहीं आई थी तब यह सोचा भी नहीं जा सकता था कि कोई नेता महंगाई के लिए अपने से पहले वाली या उससे भी पहले वाली सरकार को जिम्मेदार ठहराएगा। अगर कोई ठहराता भी था तो जनता उसे तुरंत खारिज कर देती थी। लेकिन अब ऐसा नहीं होता है। अब सत्तापक्ष खुलेआम कहता है कि देश के पहले प्रधानमंत्री महंगाई के लिए जिम्मेदार हैं या देश की पहली सरकार के समय भी महंगाई थी। कई बार तो संसद में बताया जाता है कि जब देश के पहले प्रधानमंत्री के समय महंगाई थी तो उन्होंने क्या कहा था। नेता और मंत्री सवाल उठाने वालों से सार्वजनिक रूप से पूछते हैं कि मुफ्त में वैक्सीन लग रही है, मुफ्त में अनाज बंट रहा है, किसानों को सम्मान निधि दी जा रही है इसके लिए पैसे कहां से आएंगे? दिलचस्प यह है कि लोग महंगाई पर सवाल पूछने वालों को ही कठघरे में खड़ा रहे हैं और महंगाई को न्यायसंगत ठहराने वालों का समर्थन कर रहे हैं।

इससे लग रहा है कि यह राजनीतिक मुद्दों के विपर्यय का समय चल रहा है। लोग उन मुद्दों को भी स्वीकार नहीं कर रहे हैं, जो सीधे उनके जीवन से जुड़े हैं। ऐसा तभी होता है, जब उन्हें लगने लगे कि महंगाई, बेरोजगारी, गरीबी आदि से ज्यादा बड़े मुद्दों पर सरकार काम कर रही है। भारत में अभी ऐसा ही समय चल रहा है। आम लोगों ने अपनी समस्याओं को राजनीति से अलग और स्थगित कर दिया है। वे मान रहे हैं कि इस समय भारत को विश्वगुरू बनाने का अभियान चल रहा है। हिंदुओं को ऐतिहासिक सम्मान दिलाने और उनको ताकतवर बनाने का अभियान चल रहा है। दुनिया में भारत की प्रतिष्ठा बढ़ाई जा रही है। देश के दुश्मनों को सबक सिखाया जा रहा है। सोचें, जब इतने बड़े काम हो रहे हों तो उसमें क्या लोग छोटी सी कुर्बानी नहीं दे सकते हैं? सो, महंगा पेट्रोल-डीजल-सीएनजी-पीएनजी-रसोई गैस और खाने-पीने की चीजें खरीद कर लोग देश के पुनर्निर्माण और हिंदू पुनरूत्थान में योगदान दे रहे हैं।

अगर सोशल मीडिया में चल रहे लोकप्रिय विमर्श को देखें तो महंगाई को लेकर कुछ बहुत कॉमन विचार दिखाए देंगे। जैसे यह सही है कि महंगाई बढ़ी है लेकिन क्या सरकार आपराधिक तत्वों के ऊपर बुलडोजर नहीं चला रही है? महंगाई बढ़ी है लेकिन क्या हिंदुओं को मस्जिदों के ऊपर चढ़ कर भगवा लहराने की आजादी नहीं मिली है? महंगाई बढ़ी है लेकिन क्या अनुच्छेद 37० नहीं हटा है, राम मंदिर नहीं बन रहा है, तीन तलाक का कानून नहीं बना है, सीएए नहीं आया है, हिजाब पर पाबंदी नहीं लगी है? महंगाई बढ़ी है लेकिन क्या जेएनयू में नवरात्रि पर पूजा और हवन नहीं हो रहा है? क्या पहले कभी देश में ऐसा सोचा जा सकता था? असल में अंग्रेजों के जमाने से ही देश के हिंदू बहुसंख्यक होने के बावजूद एक किस्म की कुंठा और हीनता बोध का शिकार रहे हैं, जिसे मैजोरिटेरियन इंफीरियरिटी कॉम्प्लेक्स कहा जाता है। अब जाकर उनको इस कुंठा और हीनता बोध से मुक्ति मिली है। उनको लग रहा है कि अब असल में उनका समय आया है। हिंदू गौरव का समय अब आया है।

एक तरफ लोगों की मानसिकता में यह बदलाव आया है तो दूसरी ओर रोजमर्रा के जीवन की बुनियादी जरूरतों को सरकार पूरा करने लगी है। पांच किलो अनाज और एक किलो दाल हर व्यक्ति को पिछले दो साल से मिल रहा है। चुनाव के समय तेल और नमक भी मिल जाता है। सरकार घर बनवा कर दे रही है या घर और शौचालय बनाने के नकद पैसे मिल रहे हैं। करीब 11 करोड़ लोगों के खाते में किसान सम्मान निधि के नाम पर पांच सौ रुपए हर महीने डाले जा रहे हैं। महिलाओं के खाते में नकद पैसे डाले जा रहे हैं। दो-तीन सौ रुपए सालाना के प्रीमियम पर दुर्घटना और जीवन बीमा किया जा रहा है। इलाज की आयुष्मान भारत योजना चल रही है। ऊपर से केंद्र सरकार की योजनाएं से इतर हर राज्य सरकार भी इस तरह की योजनाएं चला रही हैं। इसलिए एक बड़ी आबादी को जीवन की बुनियादी जरूरतों के मामले में प्रत्यक्ष रूप से महंगाई की मार नहीं झेलनी पड़ रही है। यह बहुत बड़ा वर्ग है, जिसे राजनीतिक शब्दावली में लाभार्थी कहा जा रहा है। यह सही है कि इस तरह के जीवन में सम्मान नहीं है, लेकिन सवाल है कि सम्मान का लेकर भी क्या करेंगे, अचार डालेंगे? सो, महंगाई है तो है लेकिन सरकार उससे ज्यादा बड़े मुद्दों पर काम कर रही है इसलिए महंगाई राजनीतिक मुद्दा नहीं है। इस मुद्दे पर चुनावी हार-जीत नहीं हो सकती है। अगर कोई तृणमूल कांग्रेस या आम आदमी पार्टी की जीत में महंगाई का कारण खोज रहा है तो वह मूर्खों के स्वर्ग में रह रहा है।

सू- दोकू क्र. 104

	1			4			7	
		6	9		2			1
	7			6		8		2
1							8	
	8			5		2		3
3		2			4		1	
	3		2			4		
		8		1	6			7
9			4				2	

नियम

1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गो का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक भर सकते है।
3. बाएं से दाएं और उपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र 103 का हल

3	9	6	8	2	5	4	7	1
8	2	5	1	7	4	6	3	9
7	1	4	6	9	3		2	5
1	8	9	3	6	7	8/2	5	4
2	6	7	5	4	8	1	9	3
5	4	3	9	1	2	7	8	6
6	7	2	4	3	9	5	1	8
9	5	1	7	8	6	3	4	2
4	3	8	2	5	1	9	6	7

कब मिलेगा भुखमरी और गरीबी से निदान?

विकास कुमार

आज 21 वी शताब्दी के दौर में पूंजी का केंद्रीकरण होता जा रहा है। इसके संचय के लिए आधुनिक मानव विविध प्रकार के सही गलत हथकंडे अपना रहा है। केवल एक ही उद्देश्य के लिए, पूंजी का संचय कैसे हो और कितना हो? एक ओर आबादी का कुछ हिस्सा विकास के सूचकांक में उन्नतोदर वृद्धि कर रहा है तो दूसरी ओर अवनति देखने को मिल रही है। इस अवनति से विविध प्रकार के मानवीय मानसिकता को कुंठित करने वाली समस्याएं उत्पन्न हो रही है। जो वर्तमान समय की सर्वाधिक कठिन समस्याओं में से एक गरीबी और गरीबी का दूसरा आया भुखमरी। इसको पलट करके भी देखा जा सकता है भुखमरी से उत्पन्न गरीबी जैसे कहीं बात दोनों एक हैं। आज प्रत्येक देश हथियारों में एवं तकनीकों के विकास में अपने राष्ट्रीय आय का अधिकतम व्यय करता है। परंतु वहीं पर आधी से अधिक मानव जाति न्यूनतम सुविधाओं से भी वंचित हो रही है। उनकी यह आवश्यकताएं कब पूरी होंगी। इसका जवाब नाही लेखक के पास है और ना ही लेख पढ़ने वालों के पास। तकनीकी प्रधान और आधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित दुनिया में हम उन मूलभूत आवश्यकताओं को भूलते जा रहे हैं जो जीवन के लिए अत्यंत आवश्यक है। ग्लोबल हंगर इंडेक्स के आंकड़े को सच माना जाए तो प्रतिदिन 3००० से अधिक बच्चे भूख से मर जाते हैं। इसका तात्पर्य हुआ की भूख से मरने वाले बच्चों का ग्लोबल इंडेक्स 23 प्रतिशत केवल भारत को ही दर्शाता है। भूख के मामलों में भारत की स्थिति नेपाल और बांग्लादेश जैसे पड़ोसी देशों से भी खराब है। दुनिया भर में जहां करीब 5०००००० बच्चे कुपोषण के चलते जान गवाते हैं। वही गरीब देशों में 4० प्रतिशत बच्चे कमजोर शरीर और दिमाग के साथ बड़े होते हैं संयुक्त राष्ट्र संघ की रिपोर्ट यह दर्शाती है कि पचासी करोड़ 3० लाख लोग भुखमरी का शिकार है। इसमें केवल भारत का आंकड़ा देखा जाए तो लगभग 2० करोड़ से ज्यादा है। जबकि संयुक्त राष्ट्र संघ की विशिष्ट एजेंसी खाद्य एवं कृषि संगठन यानी एफएओ की एक रिपोर्ट बताती है कि रोजाना भारतीय 244 करोड़ रुपए यानी पूरे साल में 89०6० करोड़ रुपए का भोजन बर्बाद कर देते हैं। इतनी रात में 2० करोड़ से कहीं अधिक भुखमरी से मरने वाले लोगों का पेट भर सकता है। कोरोनावायरस के बाद लोगों के कमाई के साधन बंद हो गए हैं जिसमें की कई परिवारों की मूलभूत आवश्यकताएं पूरी नहीं हो पा रही है। इस अवधारणा का शिक्षा पर भी प्रभाव देखने को मिला है क्योंकि जो परिवार भुखमरी और गरीबी के कलह से जूझ रहा है शिक्षा दिला पाना बच्चों को उसके लिए बड़ी बात हो जाती है। सतत विकास की अवधारणा (2015) के 15 बिंदुओं में मूलभूत शिक्षा, भुखमरी से निदान और गरीबी रेखा से ऊपर उठाने जैसे बिंदुओं को सम्मिलित किया गया है। क्या इन लक्ष्यों की पूर्ति ईमानदारी के साथ सरकारी मानक समय पर कर पाएंगी? यह प्रश्न भविष्य का है। जिसका उत्तर हमें अभी सुनिश्चित करना होगा। आज एक साधारण मनुष्य अपने परिवार को चला पाने में असमर्थ है। बेरोजगारी की मार और महंगाई उसके लिए नई कलर लेकर आती है। बड़ी-बड़ी कंपनियों से कर्मचारियों को निकाल दिया जाता है। रोजमर्रा की जिंदगी से जूझ रहे दैनिक मजदूरों को उनके प्रति दिन की मजदूरी नहीं दी जाती है। सरकारी योजनाओं में काम कर रहे गरीब मजदूरों को भी समय पर पैसा नहीं मिलता है। सरकारी योजनाएं जो इन कार्यों के लिए क्रियान्वित की जाती हैं , उसका 6० प्रतिशत बीच के लोग खा जाते हैं। आवाज जैसे मूलभूत योजनाओं में भी ग्राम प्रधान या ग्राम सचिव का पैसा फिक्स रहता है। सरकार ने गरीबों के लिए अनाज की योजना चलाई वह भी उस व्यक्ति को आज नहीं मिल पा रहा है। वास्तव में उसका पात्र है क्योंकि राशन कार्ड ग्राम पंचायत स्तर पर उन्हीं लोगों का बन रहा है जिनकी पहुंच प्रधान तक है या फिर ब्लॉक स्तर तक है। एक गरीब आदमी जो प्रतिदिन मजदूरी करके या खेतों में काम करके अपना दैनिक जीवन चला रहा है उसको इन मूलभूत योजनाओं का भी लाभ नहीं मिल पाता है। आज गरीबी और भुखमरी का डाटा बढ़ता जा रहा है। इसमें सुधार कैसे लाया जाए?

सैनिक कल्याण मंत्री ने लिखा सेना प्रमुख को पत्र

संवाददाता

देहरादून। सैनिक कल्याण मंत्री गणेश जोशी ने चीफ ऑफ आर्मी स्टॉफ को पत्र लिखकर सेना भर्ती रैली में शारीरिक व मेडिकल पास कर चुके युवको की लिखित परीक्षा के लिए तिथि घोषित करने के लिए कहा गया।

आज यहां प्रदेश के सैनिक कल्याण मंत्री गणेश जोशी ने चीफ ऑफ आर्मी स्टॉफ जनरल मनोज मुकुन्द नरवणे को पत्र लिखकर उत्तराखण्ड में वर्ष 2020 में सेना भर्ती रैली में शारीरिक एवं मेडिकल पास कर चुके युवकों की लिखित परीक्षा के लिए तिथि घोषित किये जाने का आग्रह किया है। उत्तराखण्ड एक्स सर्विसेस लीग, बिन्दुखत्ता नैनीताल के पदाधिकारियों के अनुरोध पर मंत्री ने सेना प्रमुख को पत्र भेजा है। विगत वर्ष 2020 में सेना के बीआरओ अल्मोड़ा एवं पिथौरागढ़ द्वारा भर्ती रैली का आयोजन किया गया था, जिसमें जनपद अल्मोड़ा, नैनीताल, पिथौरागढ़, बागेश्वर, उधमसिंहनगर एवं चम्पावत के युवाओं ने प्रतिभाग किया। फिजिकल एवं मेडिकल परीक्षा उत्तीर्ण करने वाले सभी युवा लिखित परीक्षा की तिथि घोषित होने का इंतजार कर रहे हैं। भर्ती निदेशालय द्वारा अभी तक लिखित परीक्षा की तिथि घोषित नहीं किये जाने से चयनित उम्मीदवारों में निराशा है। मंत्री ने सेना प्रमुख से फिजिकल एवं मेडिकल परीक्षा उत्तीर्ण करने वाले सभी उम्मीदवारों के भविष्य को ध्यान में रखते हुए लिखित परीक्षा की तिथि घोषित किये जाने हेतु भर्ती निदेशालय को निर्देशित करने का आग्रह किया है।

दुकानें बेचने के नाम पर आठ लाख की ठगी

संवाददाता

देहरादून। दुकानें बेचने के नाम पर आठ लाख रूपये की ठगी करने के मामले में पुलिस ने एक के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार मंजरी गुप्ता पुत्री स्व० राकेश चन्द गुप्ता त्यागी रोड, देहरादून की निवासी है। उसके परिचित समर गुप्ता उसके आये और उन्होंने उसको अमित कोठियाल पुत्र सर्वेश्वर प्रसाद कोठियाल से मिलवाया तो अमित कोठियाल ने उसको बताया कि उसकी राजा रोड में चार निर्मित दुकानें है जिसको वह बेचना चाहता हे जो कि उसके पिता के नाम पर है तब उसने दुकाने देखी और वह उसको पसन्द आ गई और फिर उसको उक्त अमित द्वारा अपने पिता सर्वेश्वर उर्फ पप्पू से मिलवाया और उस सम्पत्ति के सम्बन्ध में उसकी व सर्वेश्वर कोठियाल के मध्य एक करोड़ रुपये में उक्त दुकानों का सौदा तय पाया गया तथा दिनांक 16 जुलाई 2021 को आपसी सहमति से उक्त सम्पत्ति की बाबत एक अनुबंध पत्र देहरादून कोर्ट में तैयार कराया गया जिसमें आग्रिम बयाना के रुप में पांच लाख सम्पत्ति मलिक सर्वेश्वर कोठियाल की सहमति से उनके पुत्र अमित कोठियाल आर.टी.जी.एस के माध्यम से दी गई जिसकी प्राप्ति सर्वेश्वर कोठियाल व अमित द्वारा की गई। कुछ समय बाद अमित ने उसको अपने पिता की बिमारी के बहाने से तीन लाख रूपये नगद लिये गये। जिसके बाद उसको पता चला कि उक्त लोग दुकानों को किसी अन्य को बेच रहे है। उसने जब अमित व उसके पिता से सम्पर्क किया तो उन्होंने उसको कहा कि अब सवा करोड रूपये देने होंगे। जब उसने अपने आठ लाख रूपये वापस मांगे तो उन्होंने उसके साथ गाली गलौच कर जान से मारने की धमकी दी। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

लोगों के लाखों रूपये डकारने वाले दम्पति के खिलाफ मुकदमा

संवाददाता

देहरादून। चीटफंड कम्पनी के नाम पर महिलाओं के लाखों रूपये ठगने वाले दम्पत्ति के खिलाफ पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी। प्राप्त जानकारी के अनुसार विकासनगर की लगभग डेढ दर्जन से अधिक महिलाओं ने कोतवाली विकासनगर में तहरीर देते हुए बताया कि बृजपाल व सुषमा दोनो हमारे घरों पर आये और हमें कहा कि हम तुम्हे अपनी कम्पनी दिव्याश ग्रुप ऑफ कार्पोरेशन में लगा देंगे क्योंकि हम उपरोक्त कम्पनी में अच्छे पद पर कार्यरत है अर्थात उपरोक्त कम्पनी के स्वामी है, आप मेरी कम्पनी में पैसे जमा करो और मेरी कम्पनी दिव्याशं ग्रुप ऑफ कार्पोरेशन आपको साढे वर्ष में उपरोक्त धनराशि को दोगुना करके देंगे और आपको प्रतिमाह कमीशन भी देंगे। यह कि हम सभी ग्रामीण गृहणी महिलायें है। बृजपाल व उसकी पत्नी ने हम सभी को गुमराह करके वर्ष 2015 से 2022 तक कम्पनी में हम लोगों के पैसे जमा करवाये। बृजपाल व उसकी पत्नी श्रीमती सुषमा व उसके सहयोगीयों द्वारा हमारे व अन्य लोगों की जमा की गयी धनराशि में से किसी प्रकार की कोई धनराशि नहीं दी और मांगने पर कहते हैं कि तुमसे जो हो सकता है कर लो।

युवा पीढ़ी स्वाधीनता की कीमत को पहचाने: जोशी

संवाददाता

देहरादून। कैबिनेट मंत्री गणेश जोशी ने कहा कि स्वाधीनता की कीमत का अहसास नई पीढ़ियों को और भी कम है इसलिए युवा पीढी को स्वाधीनता की कीमत को पहचाना होगा।

आज यहां कैबिनेट मंत्री गणेश जोशी ने स्वाधीनता के अमृत महोत्सव के अंतर्गत संस्कार भारती की जिला इकाई देहरादून के द्वारा आयोजित 'भू अलंकरण दिवस' कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि प्रतिभाग किया। उन्होंने पवित्र दीप प्रज्वलित कर नाट्य प्रस्तुतियां 'रक्त अभिषेक' तथा 'इंद्रधनुष' एवं अन्य सांस्कृतिक कार्यक्रमों का औपचारिक शुभारम्भ किया। इस दौरान कृषि मंत्री द्वारा प्रतिभागियों को प्रशस्ति पत्र भी वितरित किए। इस अवसर पर अपने संबोधन में कृषि मंत्री ने कहा कि हमारी पीढ़ी को भी स्वाध ीनता पैदाइशी मिली हुई थी। शायद इसलिए हमारी पीढ़ी भी स्वाधीनता आंदोलनों की विभीषिका और उन अनन्त बलिदानों की थोड़ा कम ही परवाह करती है, जो स्वाधीनता प्राप्त करने के लिए हमारे पूर्वजों ने दी थीं। स्वाधीनता की कीमत का अहसास नई पीढ़ियों को और भी कम है। क्योंकि स्वाधीनता प्राप्त करने के लिए किए गए संघर्ष से यह पीढ़ियां और भी ज्यादा दूर हैं। स्वाधीनता का जो मूल्य हमारे पूर्वजों ने चुकाया उसे आने वाली पीढ़ियों को बताया जाना अनिवार्य है। ताकि वह स्वाधीनता के मूल्य को समझें और मातृभूमि को उसका श्रृण चुकाने के लिए राष्ट्र की प्रगति में योगदान करें। इस बात को हमारे युगदृष्टा प्रध ानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा महसूस किया और पूरे देश को आजादी के 75वें वर्ष को 'स्वाधीनता के अमृत महोत्सव' के तौर पर मनाने का कार्यक्रम दिया।

स्वाधीनता के अमृत महोत्सव कार्यक्रमों की श्रृंखला में यह कार्यक्रम, जो संस्कार भारती की जिला देहरादून की इकाई द्वारा आयोजित किया जा रहा है। अपने आप में एक पृथक एवं विविध विशेषता लिए हुए है। इस अवसर पर संस्कार भारती की प्रांतीय अध्यक्ष एवं कैंट विधायक सविता कपूर, क्षेत्र प्रमुख देवेन्द्र रावत, पंकज अग्रवाल, अभिषेक पाठक, बलदेव परासर, डॉ० अजय वर्मा, पुष्पेन्द्र त्यागी, 'रक्त अभिषेक' के निर्देशक अनुराग वर्मा, नृत्य एवं संगीत कार्यक्रम की निर्देशिका प्रतिभा श्रीवास्तव एवं दर्जनों छात्र-छात्राएं उपस्थित रहीं।

ट्रस्ट की जमीन से काटे हरे पेड, मजदूरों को बनाया बंधक

संवाददाता

देहरादून। ट्रस्ट की जमीन पर काम कर रहे मजदूरों को बंधक बनाकर वहां से हरे पेड काटने के मामले में पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार रामनिवास बंसल केयर आफ मथुरा मल सोंधा मल बंसल ट्रस्ट प्रथम तल, सेक्टर 24, रोहिणी दिल्ली ने रायवाला थाने में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि हमारी संस्था मथुरा मल सोंधा मल बंसल ट्रस्ट के नाम से दिल्ली में रजिस्टर है एवं हरिद्वार उमा बिहार में बंसल सेवा सदन के साथ में उनकी संस्था का एक छोटा सा 165 गज का प्लाट है। जिस पर संस्था यात्रियों की सुविधा के लिए एक हाल एवं कुछ कमरों का निर्माण कार्य करा रही थी। उनके ठेकेदार ने अभी केवल उसके पिलर ही खड़े किये थे कि कुछ अराजक तत्वों ने जिनमें एक की पहचान सुभाष बंसल पुत्र गोपी राम बंसल दिल्ली के रूप में हुई है। जिसने वहां पर चार पेड़ों को काटकर गिरा दिया एवं ठेकेदार की लेबर को बंधक बनाकर उनके मोबाइल फोन भी छीन लिये ताकि मोके वारदात पर पुलिस शिकायत ना कि जा सके। ऐसी कार्यवाही से हमारी संस्था को काफी आर्थिक नुकसान हुए हैं एवं संस्था की ख्याती को ठेस पहुंची है। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

उत्तराखण्ड लघु व्यापार एसो. जिला कार्यकारणी की बैठक सम्पन्न

विशेष संवाददाता

हरिद्वार। केंद्रीय शहरी विकास मंत्रालय द्वारा राष्ट्रीय पथ विक्रेता संरक्षण अधिनियम को संशोधित किए जाने के विषय को वापस लिए जाने की मांग करते नेशनल एसो. ऑफ स्ट्रीट वेंडर्स ऑफ इंडिया (नासवी) के राष्ट्रीय कार्यकारिणी के सदस्य, उत्तराखंड लघु व्यापार एसो. के प्रांतीय अध्यक्ष संजय चोपड़ा के नेतृत्व में अलकनंदा घाट प्रांगण में आज लघु व्यापार एसो. की जिला कार्यकारिणी की बैठक आहूत की गई। बैठक की अध्यक्षता वरिष्ठ लघु व्यापारी नेता वीरेंद्र सिंह ने की, बैठक का संचालन प्रवक्ता राजेंद्र पाल ने किया, बैठक के संयोजक महासचिव मनोज मंडल रहे।

लघु व्यापारियों की बैठक में तय किया गया आगामी 30 अप्रैल को सभी लघु व्यापार एसो. से जुड़े संगठनों की ओर से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नाम संबोधित ज्ञापन सिटी मजिस्ट्रेट के माध्यम से प्रेषित किए जाएंगे। केंद्रीय शहरी विकास मंत्रालय द्वारा राष्ट्रीय पथ संरक्षण अधि नियम में कई धाराओं में संशोधन किए जाने को लेकर सार्वजनिक तौर पर केंद्रीय शहरी विकास मंत्रालय द्वारा 30 दिन के भीतर भारतवर्ष के रेडी पटरी के स्ट्रीट वेंडर्स संगठनों की और से सुझाव व आपत्तियां मांगी गई है, इसी के दृष्टिगत भारतवर्ष में नासवी से जुड़े संगठन की ओर से 1 मई मजदूर दिवस पर राष्ट्रीय पथ विक्रेता संरक्षण अधिनियम पर पुन: विचार के लिए अभियान चलाए जाएंगे।

इस अवसर पर लघु व्यापार एसो. के प्रांतीय अध्यक्ष संजय चोपड़ा ने कहा राष्ट्रीय पथ विक्रेता संरक्षण अधिनियम पूर्ण रूप से देश के कई राज्यों में राज्य सरकारों द्वारा इच्छाशक्ति के साथ क्रियान्वित नहीं किए गए हैं ऐसे में रेड़ी पटरी वालों के लिए बना संरक्षण कानून में संशोधन किया जाना न्याय पूर्ण नहीं है। नासवी के आव्हान पर मजदूर दिवस की पूर्व संध्या के अवसर पर स्ट्रीट वेंडर्स कानून के संशोधन की कार्रवाई को पुन: विचार स्थगित किए जाने की मांग को लेकर संघर्ष किए जाएंगे। इस अवसर पर दिलीप कुमार गुप्ता, जोगिंदर सिंह, विजय गुप्ता, लालचंद, भोला पांडेय, मोहनलाल, सचिन राजपूत, यामीन अंसारी, तस्लीम अहमद, नईम सलमानी, जय भगवान, कैलाश चौधरी, वीरेंद्र, ओमप्रकाश भाटिया, चंदन सिंह रावत आदि शामिल रहे।

एक नजर

पंजाब सरकार ने पूर्व मंत्रियों समेत 184 लोगों की सुरक्षा में की कटौती !

नई दिल्ली । पंजाब की आम आदमी पार्टी सरकार ने १८४ वीवीआईपी लोगों की सुरक्षा में कटौती की है। इन लोगों में पूर्व मंत्रियों, पूर्व विधायकों और अन्य नेता शामिल हैं। अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक (सुरक्षा) की ओर से २० अप्रैल को जारी एक पत्र में हालांकि कहा गया है कि अदालत के विशेष आदेश पर दी गई सुरक्षा को वापस नहीं लिया जाएगा। एडीजीपी (सुरक्षा) ने सभी रेंज के आईजी व डीआईजी, सभी पुलिस कमिश्नरों, सभी एसएसपी, एडीजीपी एसपीयू, एसओजी व सीडीओ, स्पेशल डीजीपी स्टेट आर्म्ड पुलिस और सिक्योरिटी विंग को भेजे पत्र में कहा गया है कि वीवीआईपी लोगों को खतरे की समीक्षा करने के बाद उन्हें मिली सुरक्षाकर्मियों की संख्या में कटौती करने का फैसला किया। जिन लोगों की सुरक्षा वापस ली गई है, उनमें पूर्व मुख्यमंत्री चरणजीत सिंह चन्नी के परिजन, पूर्व मुख्यमंत्री अमरिंदर सिंह के बेटे रनिंदर सिंह, पूर्व मंत्री आदेश प्रताप सिंह कैरों की पत्नी पुनीत कौर और पूर्व वित्त मंत्री मनप्रीत सिंह बादल के बेटे अर्जुन बादल प्रमुख हैं।

काला सागर में मोस्कवा जहाज के डूबने से एक सैनिक की मौत, 27 जवान लापताः रूस

मास्को। रूस और यूक्रेन में जारी भीषण युद्ध के बीच पिछले हफ्ते काला सागर में डूबे रूसी मिसाइल क्रूजर मोस्कवा को बचाने के लिए संघर्ष कर रहे एक सैनिक की मौत हो गई और चालक दल के २७ अन्य सदस्य लापता हो गए। ये जानकारी रूस के रक्षा मंत्रालय ने दी। मंत्रालय ने शुक्रवार को एक बयान में कहा कि, रूस के काला सागर बेड़े के प्रमुख मोस्कवा के चालक दल के बाकी ३९६ सदस्यों को क्षेत्र के अन्य जहाजों में ले जाया गया और सेवस्तोपोल पहुंचाया गया। समाचार एजेंसी सिन्हुआ की रिपोर्ट के मुताबिक, एक सर्वेक्षण के अनुसार, मोस्कवा चालक दल के अधिकांश सदस्य काला सागर बेड़े में सेवा जारी रखना चाहते हैं। रूसी रक्षा मंत्रालय ने कहा कि, १३ अप्रैल को आग लगने के कारण जहाज पर गोला–बारूद के विस्फोट से मोस्कवा गंभीर रूप से क्षतिग्रस्त हो गया था और एक दिन बाद यह समुद्र में डूब गया, जब इसे एक बंदरगाह पर खींचा जा रहा था। इस मामले में यूक्रेनी पक्ष ने कहा था कि, उसके सीमा रक्षकों ने मोस्कवा को बहुत गंभीर क्षति पहुंचाने के लिए नेप्च्यून एंटी–शिप क्रूज मिसाइलों का इस्तेमाल किया था। हालांकि रूस ने इन सभी बातों से इंकार किया था।

दिल्ली में हर कोविड-19 पीड़ित व्यक्ति दो लोगों को कर रहा संक्रमित!

नई दिल्ली । आईआईटी (भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान) मद्रास द्वारा किए गए एक विश्लेषण के अनुसार राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली का आर–मूल्य, जो कोविड–१९ के प्रसार का संकेत देता है, इस सप्ताह २.१ दर्ज किया गया। इसका अर्थ है कि राष्ट्रीय राजधानी में कोरोना वायरस से संक्रमित प्रत्येक व्यक्ति दो अन्य लोगों को संक्रमित कर रहा है। आर यानी प्रजनन मूल्य इंगित करता है कि एक संक्रमित व्यक्ति अन्य कितने व्यक्तियों को संक्रमित कर सकता है। यदि यह एक से नीचे चला जाता है तो इसे महामारी की समाप्ति मान लिया जाता है। कम्प्यूटेशनल मॉडलिंग द्वारा प्रारंभिक विश्लेषण आईआईटी–मद्रास के गणित विभाग और सेंटर ऑफ एक्सीलेंस फॉर कम्प्यूटेशनल मैथमेटिक्स एंड डेटा साइंस द्वारा किया गया था, जिसकी अध्यक्षता प्रोफेसर नीलेश एस उपाध्याय और प्रोफेसर एस सुंदर ने की थी। मीडिया को दी गई जानकारी के अनुसार इस सप्ताह दिल्ली का आर–मूल्य २.१ दर्ज किया गया था। विश्लेषण में पाया गया कि वर्तमान में भारत का आर–मूल्य १.३ है। यह पूछे जाने पर कि, क्या यह अनुमान लगाया जा सकता है कि यह दिल्ली में कोविड–१९ की संभावित चौथी लहर की शुरुआत है। इस पर आईआईटी–मद्रास के गणित विभाग के सहायक प्रोफेसर डॉ जयंत झा ने कहा कि एक और लहर की शुरुआत की घोषणा करना जल्दबाजी होगी।

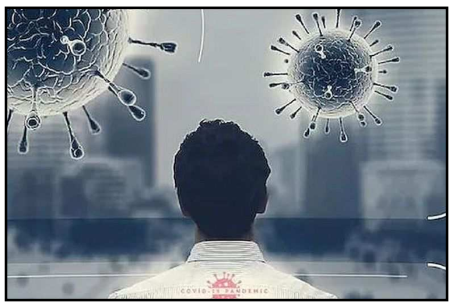

राफ्टिंग के कारण बदरीनाथ हाईवे जाम

विशेष संवाददाता

देहरादून/ ऋषिकेश। भले ही ऋषिकेश राफ्टिंग के कारण पर्यटकों के आकर्षण का केंद्र बन चुका हो, लेकिन बद्रीनाथ हाईवे से आने-जाने वाले यात्रियों के लिए राफ्टिंग एक ऐसा सरदर्द बन चुका है कि लोग घंटो जाम में फंसे रहते हैं।

चारधाम यात्रा का प्रवेश द्वार कहे जाने वाले ऋषिकेश से लेकर शिवपुरी तक की यात्रा किसी के लिए भी किसी सरदर्द से कम नहीं है क्योंकि राफ्टिंग कारोबारियों की बेतरतीब आवाजाही के कारण इस मार्ग पर हमेशा ही जाम की स्थिति बनी रहती है। खास बात यह है कि पुलिसकर्मियों का भी इन पर किसी तरह का कोई नियंत्रण नहीं है। इनका

●घंटों फंसे रहते हैं यात्री, प्रशासन बेपरवाह
●चारधाम यात्रियों के लिए जाम बन सकता है मुसीबत

जिधर मन होता है उधर घुस कर यातायात को बाधित करते रहते हैं। कई बार यात्रियों के विरोध करने पर यह झगड़े पर आमादा हो जाते हैं। क्योंकि क्षेत्र में उनकी बड़ी संख्या और संगठन है। लोगों का कहना है कि उनकी पुलिस के साथ भी सांठ-गांठ रहती है।

खुले वाहनों में राफ्ट को ऋषिकेश से शिवपुरी ले जाने के काम में लगे सैकड़ों वाहन इस मार्ग पर हमेशा जाम की स्थिति बनाए रखते हैं। जिससे बाहर से आने जाने वालों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ता है तथा वह कई कई घंटों तक जाम में फंसे रहते हैं। राफ्टिंग का धंधा क्योंकि सीजनल है तथा उसी समय अपने पीक पर होता है जब चार धाम यात्रा चल रही होती है। इसलिए चारधाम आने वाले यात्रियों को अपनी यात्रा के प्रवेश द्वार पर ही सबसे पहले जाम से दो-चार होना पड़ता है।

3 मई से यात्रा भी शुरू हो रही है ऐसे में यह स्वाभाविक है कि अभी जो समस्या लोगों के लिए वीकेंड अथवा सरकारी अवकाश के अवसर पर ही झेलनी पड़ती है वह आने वाले समय में हर रोज झेलनी पड़ेगी। उत्तराखंड आने जाने के लिए जबसे हाईवे की स्थिति ठीक हुई है पर्यटकों का दबाव बढ़ने के साथ ही समस्या भी बढ़ती ही जा रही है।

पुलिसकर्मी के रुपये व सामान लेकर ठेकेदार चम्पत

संवाददाता

देहरादून। पुलिस कर्मी से मकान बनाने का ठेका देकर रूपया व सीमेंट सरिया लेकर चम्पत हो गया। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी। प्राप्त जानकारी के अनुसार पुलिस लाईन निवासी कांस्टेबल कंवरपाल सिह ने रायपुर थाने में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि उसने तपोवन रोड विष्णुलोक कालोनी में मकान का कार्य करने वाले लेबर के ठेकेदार मुकीम को एडवांस मे दो लाख रूपये इच्छाराम पुत्र भोपाल सिह ,ज्ञानसिह पुत्र यशपाल सिह के सामने दे दिये थे। उसके बाद 15 मार्च से मकान का कार्य शुरू हो गया था। ठेकेदार मुकीम द्वारा बीच–बीच मे पैसे मांगता रहा प्रार्थी द्वारा ठेकेदार को 40 हजार रूपये और दे दिये गये थे पैसे लेकर ठेकेदार व उसकी लेबर मकान का कार्य छोडकर विना बताये भाग गये ठेकेदार द्वारा 16 कट्टे सिमेन्ट व लगभग कुन्तल सरिया भी गायब कर दिये गया है। उसके द्वारा ठेकेदार को बार बार फोन से सम्पर्क करने पर भी फोन नही उठाया । तब प्रार्थी द्वारा अपने मकान पर जाकर देखा तो ठेकेदार से साथ–साथ लेबर व उपराक्त सामान भी गायब था। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

चौकीदार चोरी के माल सहित गिरफ्तार

हमारे संवाददाता

देहरादून। निर्माणाधीन पुल पर कार्य करने वाली कम्पनी का सामान चोरी होने के मामले का पर्दाफाश करते हुए पुलिस ने एक कबाड़ी सहित तीन लोगों को गिरफ्तार कर लिया है। चोरी में मुख्य दो आरोपी कम्पनी में कार्यरत चौकीदार है जिनके पास से चुराया गया माल भी बरामद हुआ है।

जानकारी के अनुसार बीती 21 अप्रैल को विपिन कुमार पुत्र हरीदास निवासी माजरी द्वारा थाना श्यामपुर में तहरीर देकर बताया गया था कि एनएच–74 में उनकी कम्पनी निर्माणाधीन पुल में कार्य करती है तथा वह कंपनी में इंजीनियर के पर पर कार्यरत है। बताया कि पिछले 8'10 दिनों में पुल निर्माण में लगने वाली सेटरिंग जिसमें लोहे की प्लेट, जाली, पाईप आदि सामान अज्ञात व्यक्ति द्वारा चोरी कर लिया गया है।

पुलिस ने तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी गयी। जांच के दौरान पुलिस टीम द्वारा बीते रोज एक सूचना के आधार पर हिमांशु एवं गगन शर्मा को चोरी की लोहे की तीन प्लेट के साथ पीली पुल के पास से गिरफ्तार किया गया। पूछताछ में उन्होने बताया कि वह यहां पर गार्ड का काम करते हैं तथा मौका पाकर प्लेट आदि सामान चोरी करके गेंडीखाता में स्थित मोविन कबाड़ी को बेच देते थे जिनकी निशानदेही पर मोबीन कबाड़ी को गिरफ्तार किया गया तथा उसकी निशानदेही पर उसकी कबाड़ की दुकान से चोरी का सामान बरामद कर लिया गया। जिन्हे आज न्यायालय में पेश कर जेल भेज दिया गया है।

क्या ऐसे ही... ▶▶ पृष्ठ 1 का शेष

पर्यटन मंत्री सतपाल महाराज आज इस समीक्षा बैठक में चारधाम यात्रा की जमीनी सच्चाई की हकीकत खुद खोलते नजर आए। चारधाम यात्रा की तैयारियों को लेकर सतपाल महाराज ने अधिकारियों से भले ही नाराजगी जताई हो और खुद ही यह कहा हो कि इस तरह की व्यवस्थाओं में हम कैसे सुरक्षित और सुखद चारधाम यात्रा की बात कर सकते हैं। लेकिन अधिकारियों पर उनकी इस नाराजगी का कोई असर होगा इसकी उम्मीद नहीं है।

राज्य सरकार लोगों की आजीविका बढ़ाने.. ▶▶ पृष्ठ 1 का शेष

पर विशेष ध्यान दे रही है। स्थानीय उत्पादों को बढ़ावा देने के साथ ही उनकी ब्राडिंग, पैकेजिंग एवं मार्केटिंग पर विशेष ध्यान दिया जायेगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रत्येक जनपदों में अलग–अलग उत्पादों को बढ़ावा देने की दिशा में कार्य किये जा रहे है। उन्होंने कहा कि उत्तराखण्ड में अनेक प्राकृतिक संपदाएं हैं। राज्य सरकार द्वारा लघु एवं सूक्ष्म उद्योगों में अनेक जन कल्याणकारी योजनाएं चलाई जा रही है। ग्रामीण आर्थिकी को बढ़ावा देने के साथ ही पर्वतीय क्षेत्रों से पलायन रोकने के लिए हर संभव प्रयास किये जा रहे हैं।

इस अवसर पर पद्मभूषण डॉ. अनिल प्रकाश जोशी ने ग्रामीण आर्थिकी को बढ़ावा देने एवं जल संचय एवं पर्यावरण संरक्षण के लिए अपने सुझाव भी दिये। उन्होंने हैस्को द्वारा किये जा रहे विभिन्न कार्यों के बारे में मुख्यमंत्री को जानकारी दी।

मुख्यमंत्री ने हैस्को द्वारा किये जा रहे विभिन्न कार्यों का अवलोकन किया गया।

आर.एन.आई.- 59626/94
स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक श्रीमती पुष्पा कांति कुमार द्वारा दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग घंटाघर, देहरादून से प्रकाशित तथा अवि प्रिंटर्स 21 ईसी रोड, देहरादून से मुद्रित।
प्रधान संपादक
कांति कुमार
संपादक
पुष्पा कांति कुमार
समाचार संपादक
आनंद कांति कुमार
कानूनी सलाहकारः
वी के अरोड़ा, एडवोकेट
बैजनाथ, एडवोकेट
कार्यालयः दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग देहरादून।
मो. 9358134808
नोटः सभी विवादों के लिये देहरादून न्यायालय ही मान्य होगा, प्रकाशित सामग्री के लिए प्रिंटर्स की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।